हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–210 : जौनपुर, गुरुवार 25 नवंबर 2021 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

पीएम मोदी आज करेंगे शिलान्यास : प्रदेश के औद्योगिक और पर्यटन विकास को मिलेगी नई उड़ान

लखनऊ ब्यूरो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को प्रदेश के औद्योगिक, आर्थिक और पर्यटन के विकास के लिए मिल का पत्थर साबित होने वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में होने वाले एयरपोर्ट के शिलान्यास का पहला चरण 2023–24 में पूरा होगा। जेवर एयरपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां और सर्विस सेक्टर का बड़ा केंद्र बनेगा। 1,334 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण के लिए 1,334 हेक्टयर (करीब 3,300 एकड़) भूमि का अधिग्रहण किया गया है। ग्लोबल टेंडर के जरिये एटरपोर्ट निर्माण का कार्य स्विट्जरलैंड की ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी को दिया गया है। चार चरणों में होगा निर्माण। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण चार चरणों में किया जाएगा। एयरपोर्ट निर्माण में करीब 30 हजार करोड़ रुपये की खर्च होंगे। प्रथम चरण में एयरपोर्ट 2023–24 में शुरू किया जाएगा। इसकी क्षमता प्रतिवर्ष 1 करोड़ 20 लाख यात्रियों की वार्षिक की होगी। दूसरे चरण में 2031 तक एयरपोर्ट की यात्री क्षमता 3 करोड़ की जाएगी। 2036 में इसकी क्षमता पांच करोड़ और 2040 में 7 करोड़ यात्रियों की वार्षिक क्षमता का हो जाएगा।

औद्योगिक गतिविधियां का केंद्र बनेगा। प्रवक्ता ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास यमुना एक्सप्रेस–वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। इनमें फिल्म सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क, इलेक्ट्रॉनिक सिटी, एपैरल पार्क शामिल है। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का अलीगढ़ नोड भी इस क्षेत्र के निकट है। दादरी में मल्टी–मोडल लॉजिस्टिक्स हब तथा बोडाकी में मल्टी–मोडल ट्रांसपोर्ट हब विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में यह क्षेत्र औद्योगिक और सर्विस सेक्टर की गतिविधियों का सबसे बड़ा केन्द्र बनेगा।

धारदार हथियारों से हमला कर मनबढ़ो ने बेरहमी से किशोर को मार डाला : गांव वालों पर हत्या का आरोप

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : आज दोपहर पुरानी रंजिश में एक किशोर को बेरहमी से पीटकर मनबड़ों ने हत्या कर दी। घटना रामगढ़ ताल थाना क्षेत्र के रामपुर गांव की है। सूचना पर पहुंचे परिजन किशोर को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर जिले के एसएसपी व जिले के अन्य अधिकारी पहुंचे गए ।पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर आरोपितों की धरपकड़ में सीओ कैंट टीम लगाई गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गगहा इलाके के नारे खुर्द गांव के निवासी महेंद्र शुक्ला रामगढ़ ताल के रामपुर गांव में मकान बनवा कर परिवार के साथ रहते थे। पूजा पाठ करवा कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे ।उनके तीन बेटे राहुल शुक्ला ,अंजनी शुक्ला और छोटा अंकुर शुक्ला था ,।अंकुर दोपहर में माता–पिता से बाल कटवाने जाने की बात कह कर घर से निकला घर पर माता–पिता अकेले थे ।शाम में बड़े भाई राहुल के मोबाइल पर गांव के ही एक व्यक्ति ने फोन कर बताया कि उसका छोटा भाई गांव में धर्मेंद्र साहनी के घर के पास गंभीर हालत में पड़ा हुआ है । राहुल उस समय शहर में निकला हुआ था। राहुल ने तुरंत इसकी सूचना अपने पिता को दी पिता मौके पर पहुंचे तो अंकुर जमीन पर पड़ा हुआ था। उसके सीर,हाथ, और छाती पर धारदार हथियार और ईट से प्रहार किया गया था वह पुलिस को सूचना देकर उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया ।मौत की जानकारी होने पर मां माया शुक्ला और पिता व भाइयों का रो रो कर बुरा हाल था। घटना की सूचना पर रामगढ़ ताल थाने के एस एसआई एस के शर्मा, पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया बड़े भाई राहुल ने पुलिस को हत्या की तहरीर दे दी है ।जिला अस्पताल पहुंचे एसएसपी डॉ विपिन तांडा ने परिजनों को ढाढस बंधाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। मालूम हो कि मृतक अंकुर महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में 11 वीं का छात्र था और कॉमर्स विषय से पढ़ाई कर रहा था ।पिता ने बताया कि वह पढ़ाई में काफी होनहार था ।बड़ा भाई अंजनी एलआईसी का एजेंट, और दूसरा भाई आईआईटी की तैयारी कर रहा है। सूचना पर पहुंचे एसएसपी विपिन तांडा ने परिजनों से घटना की जानकारी ली मृतक के बड़े भाई राहुल ने बताया कि 14 जून 2021 की रात उसके घर में कुछ लोग चोरी की नियत से घुस गए थे ।नींद खुलने पर एक चोर को पकड़ लिया गया जिसकी पहचान गांव के ही अवधेश साहनी के रूप में हुई ।इसकी सूचना थाने पर दी गई बाद में इस मामले में 6 जुलाई को थाने पर ही सुलाह हो गया ।इसके बाद से ही वह सब रंजीश रखे हुए थे।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dkulive चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

27 नवंबर को जौनपुर में आयेगे सीएम योगी व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अजय साहनी के द्वारा 27 नवंबर 2021 को मा. मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी एवं मा. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

जी प्रस्तावित कार्यक्रम के संबंध में उमानाथ सिंह स्टेडियम टीडी कालेज में सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अच्छे से बैरिकेडिंग की जाएं। अपर पुलिस अधीक्षक शहर डॉ संजय कुमार को निर्देशित किया कि ट्रैफिक एवं पुलिस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रहें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू–राजस्व रजनीश राय, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

योगी सरकार ने कोविड से मृतकों के परिजनों व बाढ़ से प्रभावित किसानों हेतु जारी की सहायता राशि

लखनऊ ब्यूरो : यूपी सरकार ने गुरुवार को कोविड–19 से मृतकों के परिजनों व बाढ़ के कारण 2021–22 में क्षतिग्रस्त हुई फसलों से किसानों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए सहायता राशि जारी कर दी है। प्रदेश सरकार ने कोविड से मृतकों के परिजनों को 50 हजार रुपये देने का एलान किया था और इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किए गए थे जिसके आधार पर 22898 मृतकों के परिजनों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि जारी कर दी गई है। वहीं, 2021–22 में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई फसलों से प्रभावित होने वाले बदायूं, बहराइच, बलरामपुर, बरेली, बस्ती, बुलंदशहर, चंदौली, चित्रकूट, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, गाजीपुर, गोंडा, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, महोबा, मथुरा, मिर्जापुर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर, शाहजहांपुर, सिद्धार्थनगर,

सीतापुर, श्रावस्ती, उन्नाव और वाराणसी के किसानों के लिए कृषि निवेश अनुदान के अंतर्गत सहायता राशि जारी कर दी गई है।

पराली जलाने वाले किसान अनुदान से होंगे वंचित

जौनपुर सू.वि. : कृषि विभाग द्वारा गुरुवार को कृषि सूचना तन्त्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम योजना अंतर्गत विकास खण्ड केराकत एवं डोभी ब्लाक परिसर में रबी गोष्ठी का आयोजित किया गया। विशेषज्ञों द्वारा रबी फसलों के बेहतर उत्पादन एवं कृषि विभाग की योजनाओं से किसानों को प्रशिक्षित किया गया गया। उप परियोजना निदेशक कृषि प्रसार डा. रमेश चंद्र यादव ने कहा कि खेतों में फसल अवशेष जलाने से खेत की मिट्टी के साथ–साथ वातावरण पर भी दुष्प्रभाव पड़ते हैं यथा मृदा के तापमान में वृद्धि, मृदा की सतह का सख्त होना, मुख्य पोषक तत्व जैसे नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश की उपलब्धता में कमी एवं अत्यधिक मात्रा में वायु प्रदूषण आदि जैसे नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। इसलिए किसानों को फसल अवशेष खेतों में कदापि नहीं जलाने चाहिए बल्कि इनका उपयोग मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए करना चाहिएद्य यदि इन अवशेषों को सही ढंग से खेती में उपयोग करें तो इसके द्वारा हम पोषक तत्वों के एक बहुत बड़े अंश की पूर्ति कर सकते हैं। उन्होंने वेस्ट डी कंपोजर के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई साथ ही यह भी बताया कि 40 दिनों में कृषि अपशिष्ट, पशु अपशिष्ट, रसोई अपशिष्ट, शहर के अपशिष्ट जैसे सभी जैव अपघटन योग्य सामग्री को अपघटित कर अच्छी खाद का निर्माण कर देता है, परम्परागत विधियों से तुलना करे तो यह खाद बनाने की अब तक की सबसे तीव्र विधि है, जो जैविक खेती बढ़ावा देने हेतु सबसे महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती है। मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने पराली जलाना दण्डनीय अपराध धोषित कर दिया है, पराली जलाने वाले किसान सरकारी योजनाओं में मिलने वाली सब्सिडी से बंचित कर दिए जाएंगे। कृषि वैज्ञानिक डा. दिनेश कुमार ने सुपर सीडर से लाईन में गेहूँ की बुआई, उर्वरक प्रबंधन, जल प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण की जानकारी दी। अध्यक्षता बीडीओ डा. छोटेलाल तिवारी तथा संचालन एडीओ एजी दयानन्द सिंह ने किया। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, सन्ध्या सिंह, प्रवीण चौवे, नीलम, रेखा, रुचि, नन्दनी आदि प्रगतिशील किसान मौजूद रहे। अन्त में आए हुए कृषकों का एडीओ फसल सुरक्षा अशोक कुमार यादव ने आभार ज्ञापित किया।

नोएडा में कायस्थ काउंसिल की बैठक में सामाजिक एकता पर दिया गया बल

गौतमबुद्ध नगर। जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : नोएडा सेक्टर 73 स्थित आर्यनगर में ऑल इण्डिया कायस्थ काउंसिल की नोएडा शाखा के अध्यक्ष प्रवीन सक्सेना की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। जिसमें संगठन के विस्तार करने पर चर्चा की गई। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बच्चन भी मौजूद रहे। उन्होंने कायस्थ समाज के उत्थान और उनकी एकता पर जोर देते हुए कहा कि हम जितने ही ज्यादा संगठित होंगे और एक एक मंच पर आएंगे, तभी कायस्थ समाज का भला होगा। बुधवार, 24 नवम्बर को आयोजित बैठक में संगठन के राष्ट्रीय सचिव विकास सक्सेना ने पूरे देश में सदस्यता अभियान चलाने पर जो दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी को पूरी लगन, मेहनत और ईमानदारी से संगठन के प्रति समर्पित होना चाहिए। हम अधिक से अधिक सदस्य बनाने चाहिए। नोएडा अध्यक्ष प्रवीन सक्सेना ने कहा कि कायस्थ समाज का उत्थान तभी संभव होगा जब लोग अपना अंहकार छोड़कर जनहित में कार्य करने के लिए आगे आएं। ईगो कायस्थ समाज के विकास में बहुत बड़ी बाधा है। हमें संगठन के लिए हरहाल में सक्रिय होना चहिए। सभी सदस्यों और पदाधिकारियों के विचार संगठन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए लगातार आपासी संवाद भी बना रहना जरूरी है। बैठक में जिधाध्यक्ष प्रवीन सक्सेना ने दहेज उन्मूलन, बच्चों की शिक्षा, बेरोजगारों को रोजगार और गरीब कायस्थ कन्याओं की शादी के लिए उनके परिवार को आथिर्क मदद देने पर भी पस्ताव रखा। इन सभी प्रस्तावों पर गंभीरता पूर्वक राष्ट्रीय टीम विचार–विमर्श कर अगली बैठक में अपने निर्णय से अवगत कराएगी।

अयोध्याः प्रयागराज हाइवे पर कार व एसयूवी की भीषण टक्कर में दो की मौत व तीन घायल

लखनऊ ब्यूरो : अयोध्या जिले की कोतवाली बीकापुर के अंतर्गत चौरे बाजार पुलिस चौकी क्षेत्र के मंगारी गांव के सामने प्रयागराज हाईवे पर गुरुवार सुबह करीब 8 बजे सड़क हादसा हुआ है। एसयूवी व स्विफ्ट डिजायर कार में आमने–सामने हुई भीषण टक्कर में सुल्तानपुर की तरफ जा रही स्विफ्ट डिजायर सवार दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एसयूवी सवार एक बालिका सहित तीन लोग घायल हो गए। हादसे में दोनों वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पीआरबी 0924 के प्रभारी योगेश कुमार द्वारा एंबुलेंस बुलवाकर घायलों को उपचार के लिए सीएचसी बीकापुर भिजवाया गया। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर पांडे द्वारा मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना फोन पर दी गई।

मृतकों में स्विफ्ट डिजायर कार का चालक अरमान (28) पुत्र हफीजउद्दीन निवासी कंधारी बाजार अयोध्या तथा मोहम्मद हसीब (60) पुत्र मोहम्मद हबीब निवासी आजाद नगर प्रतापगढ़ शामिल हैं। दोनों मृतक आपस में रिश्तेदार बताए जाते हैं।वहीं, दूसरे वाहन एसयूवी में सवार पति पत्नी और 5 वर्षीय बालिका घायल हो गई। घायलों में आनंद सिंह (35), अर्पणा सिंह (34) और आध्या (05) वर्ष सभी निवासी विभावा जिला अंबेडकर नगर शामिल हैं।

दुष्कर्म का आरोपी दरोगा बर्खास्त : हेड कॉन्स्टेबल पत्नी और एक युवती ने दर्ज कराया था मुकदमा

वाराणसी ब्यूरो : जौनपुर जिले में तैनात दुष्कर्म के आरोपी दरोगा अमित कुमार को बर्खास्त किया गया है। वाराणसी क्राइम ब्रांच में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात रहते हुए अमित के खिलाफ एक युवती ने महिला थाने में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद उसकी हेड कांस्टेबल पत्नी ने भी शिकायत की थी कि उसका पति अमित कुमार जालसाज है। जांच के बाद अमित का डिमोशन कर उसे सब इंस्पेक्टर बना दिया गया। अब विभागीय जांच रिपोर्ट के आधार पर वाराणसी कमिश्नरेट के अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) सुभाष चंद्र दुबे ने उसे बर्खास्त कर दिया है। मेरठ के पल्लवपुरम का अमित कुमार 2020 में वाराणसी में क्राइम ब्रांच में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात था। मथुरा के कोसीकला थाना क्षेत्र की एक युवती ने आठ जनवरी 2020 को वाराणसी के महिला थाने में अमित के खिलाफ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता ने तत्कालीन एसएसपी अमित पाठक से शिकायत की थी कि अमित उस पर समझौता करने का दबाव बनाता है और बात न मानने पर हत्या की धमकी देता है। एसएसपी आवास पर आत्मदाह की दी थी धमकी। इसे लेकर तत्कालीन एसएसपी अमित पाठक के आदेश पर अमित के खिलाफ कैंट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इससे नाराज होकर अमित कुमार ने एसएसपी कैंप कार्यालय पहुंचकर खुद पर पेट्रोल डाल कर आत्मदाह की धमकी दी थी। इसके बाद तत्कालीन आईजी रेंज के आदेश से अमित का तबादला जौनपुर कर दिया गया था। साथ ही इस

पूरे प्रकरण की विभागीय जांच कराई गई थी। वाराणसी के पुलिस अफसरों द्वारा की गई जांच में अमित कुमार दोषी पाया गया और उसे बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया। अमित की पत्नी मीनाक्षी पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल है और उसकी प्रताड़ना से आजिज आकर उससे अलग रहती है। मेरठ के सिविल लाइन थाना के मानसरोवर क्षेत्र में रहने वाली मीनाक्षी ने डीजीपी को बताया था कि अमित जालसाजी करके सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर पद पर प्रमोट हुआ है। अपने घोषणा पत्र में उसने खुद के खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमों और जांचों को छुपाया है। मीनाक्षी की शिकायत की जांच कराई गई तो आरोप सही निकले। इंस्पेक्टर पद से अमित का डिमोशन कर उसे वापस सब इंस्पेक्टर बना दिया गया।

डिस्प्ले एलईडी युक्त वाहनों को किराये पर लिये जाने हेतु मुहरबन्द निविदा आमंत्रित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उ०प्र०, लखनऊ के क्रम में विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 में ईवीएम एवं वीवीपैट के संबंध में जनजागरूकता हेतु जिलाधिकारी के अनुमोदनोपरान्त 5×7 वर्गफिट डिस्प्ले एलईडी युक्त वाहनों को किराये पर लिये जाने हेतु 27 नवम्बर 2021 को सायं 3.00 बजे तक मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। नियत समय तक प्राप्त निविदाएं उसी दिन अपरान्ह 4.00 बजे गठित समिति द्वारा उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जौनपुर के कक्ष में सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा फार्म 27 नवंबर 2021 को अपरान्ह् 1.00 बजे तक निर्धारित शुल्क रूपया 200.00 की धनराशि ट्रेजरी चालान द्वारा मानक मद 0070–02–101–00–01 में जमा कर रसीद की मूल प्रति उपलब्ध कराने पर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा के साथ धरोहर राशि के रूप में रूपया 20000.00 का बैंक ड्राफ्ट/एफ.डी.आर./राष्ट्रीय बचत पत्र जो उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जौनपुर के पक्ष में देय होगा, संलग्न करना अनिवार्य होगा। धरोहर राशि नकद रूप में कदापि स्वीकार नहीं की जायेगी। निविदा को स्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार जिला निर्वाचन अधिकारी, जौनपुर में निहित होगा। निविदा का प्रारूप एवं शर्ते जिला निर्वाचन कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है। उक्त निविदा एन०आई०सी० की साईट jaunpur.nic.in पर भी उपलब्ध है।

सुरक्षा–व्यवस्था होगी हाईटेकः हर पॉइंट पर तैनात रहेगी पीएसी की हथियार बंद टुकड़ी

वाराणसी ब्यूरो : श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की सुरक्षा–व्यवस्था हाईटेक होगी। गुरुवार को पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश ने मातहतों संग काशी विश्वनाथ मंदिर की सुरक्षा–व्यवस्था बेहतर बनाने को लेकर भ्रमण किया। इस दौरान पीएसी और सिविल पुलिस के ड्यूटी के पॉइंट्स निर्धारित किया गया। पीएसी के लिए 21 ड्यूटी पॉइंट निर्धारित किए गए। हर पॉइंट पर एक सेक्शन हथियार बंद टुकड़ी तैनात रहेगी और यह आउटर कॉर्डन को सुरक्षित करेगी। ड्यूटी के लिए पीएसी के कंपनी कमांडर भी उपलब्ध रहेंगे। 102 पॉइंट्स पर तैनात होंगे सिविल पुलिस के कर्मचारी। पुलिस आयुक्त ने बताया कि 8 घंटे के तीन शिफ्ट में कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा। 102 पॉइंट पर सिविल पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। सभी को स्मार्ट आईडी कार्ड्स दिया जाएगा। ड्यूटी पॉइंट पर तैनात कर्मी के बेहतर नियंत्रण के लिए सेक्टर अफसर और उनके ऊपर जोनल अफसर नियुक्त किए जाएंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैनात रहेगी क्यूआरटी की टीम मुस्तैद रहेगी। अत्याधुनिक सीसीटीवी प्रणाली से परिसर के चप्पे–चप्पे की निगरानी की जाएगी। प्रत्येक ड्यूटी पॉइंट के स्टैंडिंग आर्डर बनाये जाएंगे। जिसमें कर्मचारियों के कर्तव्य की जानकारी होगी। वहीं दर्शनार्थियों के साथ अच्छे व्यवहार के लिए कर्मचारियों को शार्ट टर्म प्रशिक्षण दिया जाएगा।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

अपनीं निंदा को धैर्य से सुनना चाहिये, यह साबुन का काम करती है–

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

OM SHANTI

सम्पादकीय

संविधान की प्रस्तावना : भारत 'सेक्युलर' क्यों है?

संविधान की प्रस्तावना में विदेशी 'सेक्युलर' शब्द को अधिसूचित हुए आगामी 18 दिसंबर को 45 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इसी दिन 1976 को आपातकाल (1975–77) के समय, जब सभी नागरिक अधिकारों को कुचलकर विपक्षी–विरोधी नेताओं को जेल में ठूंसा जा रहा था– तब तत्कालीन इंदिरा सरकार द्वारा संसद से अलोकतांत्रिक रूप से पारित 42वें संविधान संशोधन को राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पश्चात प्रस्तावना में जोड़ दिया गया था।

स्वतंत्र भारत के इस दागदार घटनाक्रम ने संविधान में भारत के विवरण को 'संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य' से परिवर्तित करके 'संप्रभु, समाजवादी सेक्युलर लोकतांत्रिक गणराज्य' कर दिया था। प्रश्न उठता है कि क्या इससे पहले भारत कभी 'सेक्युलर' नहीं था या 42वें संविधान संशोधन के बाद और अधिक 'सेक्युलर' हो गया है? यदि राहुल गांधी की मानें, तो भारत में सांप्रदायिकता का प्रवेश मई 2014 के बाद हुआ था।

क्या भारत केवल इसलिए 'सेक्युलर' है, क्योंकि 26 जनवरी, 1950 से देश में लागू संविधान के अनुच्छेद 15(1)– राज्य, किसी नागरिक के विरुद्ध केवल मजहब, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान या इनमें से किसी के आधार पर कोई विभेद नहीं करेगा– की भावना व्यक्त करता है? क्या भारत में सेक्युलरवाद– संविधान के उन अनुच्छेदों (29–30 सहित) के कारण जीवंत है, जिसमें अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों से ज्यादा अधिकार दिए गए हैं?

जब स्वतंत्रता–पूर्व भारत का 14 अगस्त, 1947 को विभाजन हुआ, जिसे मोदी सरकार ने इस वर्ष से 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया है– तब देश का एक तिहाई हिस्सा, इस आधार पर काट लिया गया था कि मुसलमानों को अपनी संस्कृति, पहचान और मजहब की सुरक्षा हेतु अलग 'पाक–जमीन' चाहिए, जिसे हम आज इस्लामी गणराज्य– पाकिस्तान और बांग्लादेश के नाम से जानते हैं।

तब होना तो यह चाहिए था कि खंडित भारत भी स्वयं को 'हिंदू–राज्य' घोषित करता। ऐसा नहीं हुआ और ऐसा नहीं होना स्वाभाविक भी था– क्योंकि हिंदू दर्शन या हिंदुत्व में पूजा–पद्धति और मजहब नितांत व्यक्तिगत विषय है, जिसका राज्य में कोई हस्तक्षेप नहीं होता। भारतीय इतिहास साक्षी है कि यहां जितने भी हिंदू राजा हुए, उन्होंने अपनी निजी आस्था और संबंधित परंपरा को न ही अपने प्रजा पर थोपा और न ही उसके अनुपालन के लिए उन्हें बाध्य और प्रताड़ित किया।

सम्राट अशोक ही एकमात्र ऐसे अपवाद थे, जिन्होंने बौद्ध मतांतरण के पश्चात राज्य संसाधनों का उपयोग अपने नव–मत के प्रचार–प्रसार हेतु किया था। भारत अनादिकाल से आज के शब्दों में 'सेक्युलर' है– क्योंकि यहां के मूल हिंदू–दर्शन का आधार बहुलतावाद और समग्रता है। इसलिए जब दुनिया के कोनों से मजहबी अत्याचारों के कारण सीरियाई ईसाइयों, यहूदियों और पारसियों ने अपना उद्‌गमस्थल छोड़कर भारत में शरण ली, तब न केवल स्थानीय हिंदू–बौद्ध राजाओं और संबंधित प्रजा ने उनका स्वागत किया, बल्कि उन शरणार्थियों को अपनी पूजा–पद्धति, जीवनशैली और परंपरा को अपनाने की स्वतंत्रता भी दी।

वर्ष 629 में तत्कालीन केरल के राजा चेरामन पेरुमल ने कोडंगलूर में चेरामन जुमा मस्जिद का निर्माण पैगंबर साहब के जीवनकाल में कराया था, जोकि अरब के बाहर बनने वाली विश्व की पहली मस्जिद थी। यह समरस, सहिष्णु, शांतिपूर्ण और बहुलतावादी परंपरा तब भंग हुई, जब आठवीं शताब्दी में अरब से इस्लाम का और 16वीं शताब्दी में यूरोप से ईसाइयत का अपने स्वाभाविक दर्शन के साथ दूसरी बार भारत में आगमन हुआ।

वर्ष 712 में अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके भारत में इस्लाम के नाम पर मजहबी दमन का सूत्रपात किया था। उसी मानस से प्रेरित होकर अगले 650 वर्षों में महमूद गजनवी, मुहम्मद गौरी, खिलजी, तुगलक, बाबर, अकबर, जहांगीर, औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि ने यहां की मूल सनातन संस्कृति और प्रतीकों को क्षत–विक्षत किया। किंतु राजपूतों, जाटों, मराठाओं, साधु–संतों और सिखों आदि स्थानीय शासकों के सतत प्रतिकारों के कारण हिंदू–दर्शन अक्षुण्ण रहा। दुर्भाग्य से इस भूखंड के करोड़ों लोगों के लिए आज भी उपरोक्त इस्लामी आक्रांता प्रेरणास्रोत हैं।

जब उत्तर–भारत में इस्लामी प्रचार–प्रसार के नाम पर मजहबी शासकों का आतंकवाद चरम पर था, तब 1541 में दक्षिण–भारत के गोवा में फ्रांसिस जेवियर ने जेसुइट मिशनरी के रूप में कदम रखा। ईसाइयत के प्रचार हेतु भारत पहुंचे जेवियर ने उस समय 'गोवा इंक्विजीशन' के माध्यम से गैर–ईसाइयों के साथ उन मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ उत्पीड़नयुक्त मजहबी अभियान चलाया, जो देशज परंपराओं के साथ अपनी मूल पूजा–पद्धति का ही अनुसरण कर रहे थे।

इसका विस्तृत उल्लेख संविधान निर्माता बाबासाहब डॉ. आंबेडकर ने भी अपने लेखन–कार्य में किया है। उनके अनुसार, '...जैसे ही गोवा में जांचकर्ताओं (इंक्विजीशन करने वाले) को पता चला कि वे (सीरियाई ईसाई) हेरेक्टिक हैं, तब पोप के प्रतिनिधि सीरियाई चर्च पर भेड़ियों की तरह टूट पड़े...।' कालांतर में ब्रितानियों ने चर्च–ईसाई मिशनरियों द्वारा भय, लालच और छल से मतांतरण को गति दी, जिसके गर्भ से द्रविड़–आंदोलन जन्म हुआ, तो दलितों को शेष हिंदू समाज से काटने का षड्यंत्र रचा गया। स्वतंत्र भारत में 'सेक्युलरवाद' के नाम पर इन विकृतियों का प्रत्यक्ष–परोक्ष समर्थन किया जाता है।

स्वतंत्रता के बाद खंडित भारत 'हिंदू–राज्य' नहीं बना और न ही ऐसा आज संभव व वांछनीय है। परंतु भारत अघोषित 'हिंदू–राष्ट्र' है। इसकी सामाजिक, समरस और सौहार्दपूर्ण हिंदुत्व जीवनशैली, सनातन चिंतन द्वारा जनित है। यदि विश्व के इस हिस्से में बहुलतावाद, लोकतंत्र और पंथनिरपेक्षता अनादिकाल से जीवंत है, तो वह केवल हिंदू–दर्शन और कालांतर में अंकुरित अलग–अलग पंथ– जैन, बौद्ध, सिख और अनेकानेक पूजा–पद्धतियों के कारण है।

इस क्षेत्र में जहां–जहां इसके मूल सनातन–चरित्र का क्षय हुआ, वहां–वहां लोकतंत्र, बहुलतावाद और पंथनिरपेक्षता ने दम तोड़ दिया। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और हिंदू–विहीन कश्मीर– इसके उदाहरण हैं।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

सीबीएसई बोर्ड द्वारा पहली बार आयोजित हो रहा ओएमआर सीट पर आधारित होगी टर्म फस्ट की परीक्षा

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली की सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी टर्म–फर्स्ट की बोर्ड परीक्षाएं कल से प्रारंभ हो रही है। जिसमें जिले के सेकेंडरी (हाईस्कूल) में 4361 सीनियर सेकेंडरी (इंटरमीडिएट) में 3189 परीक्षार्थी 14 परीक्षा केंद्रों पर शामिल होंगे। इसमें दो परीक्षा केंद्र अमेठी जिले का शामिल हैं। जिले में सी.बी.एस.ई. की परीक्षा के संचालन के लिए बोर्ड से नियुक्त सिटी क्वाडिनेटर व एस के प्रेसीडेंसी पब्लिक स्कूल ओदरा के प्रधानाचार्य शेषमणि मिश्र ने बताया कि जिले के कुल 7550 परीक्षार्थियों के लिए कुल 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसमें आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल जगदीशपुर व केंद्रीय विद्यालय भेल जगदीशपुर परीक्षा केंद्र में अमेठी व जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों के परिक्षार्थी शामिल होंगे। जबकि जिले में 12 परीक्षा केंद्रों पर तथा कादीपुर परीक्षा केंद्र पर अम्बेडकरनगर के भी परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय विवेकानंद नगर, कमला नेहरू बाल शिक्षण संस्थान लालडिग्गी, गोपाल पब्लिक स्कूल ओम नगर, महर्षि विद्या मंदिर योगीपुरम अहिमाने, टाइनी टाट्स पब्लिक स्कूल सिविल लाइंस, स्टेला मारिस कन्वेंट सेंट जेवियर्स स्कूल, सेम्फोर्ट पब्लिक स्कूल, गोराबारिक, केंद्रीय विद्यालय अमहट, एसके प्रेसिडेंसी पब्लिक स्कूल ओदरा, सनबीम पब्लिक स्कूल सैदपुर तथा त्रिभुवन देवी एकेडमी जूनियर हाई स्कूल कादीपुर शामिल है। इस वर्ष पहली बार हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड ने टर्म फर्स्ट परीक्षा ले रहा है, जो ओ.एम.आर. शीट आधारित परीक्षा होगी। इसमें जो व्यवस्था बनाई गई है। उसमें ज्यादा कुछ ऑनलाइन हैं। पेपर और उत्तर पत्रक ऑनलाइन परीक्षा के कुछ समय पहले परीक्षा केंद्र को मिलेगा। पहले से कोई प्रश्न पत्र नहीं आया है। परीक्षा के दिन ही परीक्षा की ओ.एम. आर. सीट का मूल्यांकन होगा तथा उसी दिन ओ.एम.आर. सीट (उत्तर पत्रक) बोर्ड को रजिस्ट्री भेज दिया जाएगा। इस सब में पूरी पारदर्शिता के लिए आब्जर्बर नियुक्त किये गए हैं। इस ओएमआर सीट पर परीक्षार्थियों को विद्यालयों ने प्रैक्टिस कराया है।

आल इंडिया मुशायरे व कवि संमेलन का हुआ आयोजन

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : शहर मे एक निजी मैरिज लान में सद्भावना कमेटी द्वारा शाम मुशायरे व कवि सम्मेलने का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन आजाद अहमद सद्भावना कमेटी उत्तर प्रदेश ने किया, मुख्य अतिथि के तौर पर महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी के प्रदेश' अध्यक्ष विधायक अबू हासिम आजमी रहे। जिसमें दूर–दराज से आए शायर शायरा कवि साहित्यकारों ने प्रतिभाग किया। मंगलवार को सद्भावना कमेटी द्वारा शाम को आल इंडिया मुशायरे व कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। हिंदू–मुस्लिम एकता की मिसाल बने कार्यक्रम में विकास बौखल ने सबसे पहले तराना पढ़कर कार्यक्रम को गति दी। शायर डाक्टर सलीम ने पढ़ा ''कहां शौके जुनू यें दीवानगी कैसी'' ''हजार पुरजों में तकसीम जब लिबास ना हो '' शेर पढ़ा तो महफिल झूम उठी ''महंगाई से जूझ रहें सब चीख रहा हिंदुस्तान'' दूध दोबारा मत रखना बिल्ली के निरानी में'' आजाद सुल्तानपुरी, ''यहां कैसी सियासत हो रही है, अदावत पर अदावत हो रही है ''आमिल सुल्तानपुरी, ''किसी खंजर से ना तलवार से जोड़ा जायें, सारी दुनिया को चलो प्यार से जोड़ा जाये,'' विकास बौखल देश के प्रत्येक नागरिक को शांति का पैगाम देना चाहिए प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि देश मे अमन चौन रहे। बीती रात्रि आशीर्वाद मैरिज लान लाला पुरवा सुल्तानपुर में सद्भावना कमेटी द्वारा आयोजित आल इंडिया मुशायरा कवि सपा नेता आजाद अहमद ने अपने सम्बोधन में बोलते हुए कहा। मुख्य अतिथि अबू हासिम आजमी ने कहा कि आज का समय है दिलों को जोड़ा जाये एक दूसरे के सम्पर्क में रहकर भाईचारा बनाया

जाये। मिर्जा इ. इशराक बेग ने बताया कि भाईचारा एकता के लिए कवि सम्मेलन मुशायरा 21 जिलों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पूर्व सांसद मोहम्मद ताहिर खां ने आए हुए शायर और कवियों को अंग वस्त्र भेट कर सम्मानित किया।कवि सम्मेलन समारोह में नदीम फारूक, असद वस्तवी, शबीना अदीब, साईस्ता सना, आसिम लखनवी, सबा बलरामपुरी, हाशिम फिरोजाबादी, आदि शायरों कवियों ने शायराना अंदाज पेश कर वाहवाही लूटी, मुशायरा की निजामत नदीम फरूक ने किया इस मौके पर सपा जिला अध्यक्ष पृथ्वी पाल यादव,पूर्व सांसद ताहिर खान,पूर्व मंत्री मुनीर खान ,शकील अहमद,इंजीनियर इसराक बेग, रिजवान पप्पू, शहजाद,डॉक्टर मोईद खान, अफजाल अंसारी पंकज शुक्ला सलाहुद्दीन,आदि समाजवादी नेताओं के अलावा सैकड़ों की तादाद में लोग मौजूद रहे।

लाल फाटक ओवरब्रिज : दूसरे छोर पर भी सेतु निगम का 85 फीसदी काम पूरा

बरेली ब्यूरो : लाल फाटक क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज के निर्माण के प्रस्तावित समय में रेलवे ने तो तीन महीने और बढ़ा दिए हैं लेकिन सेतु निगम ने कैंट क्षेत्र में 85 फीसदी काम पूरा कर लिया है। अब सिर्फ रैंप पर सड़क बनाने और दीवार खड़ी करने का उसका काम बाकी है। सेतु निगम का दावा है कि फिलहाल जिस रफ्तार से उसका काम चल रहा है, वह दिसंबर खत्म होने से पहले ही उसे पूरा कर लेंगे। बदायूं रोड पर सेतु निगम अपना काम पहले ही पूरा कर चुका है। सेतु निगम के सीपीएम देवेंद्र सिंह का कहना है कि कैंट क्षेत्र में सेतु निगम का ढांचागत काम पूरा हो चुका है। करीब पांच फीसदी काम रह गया है जिसे तेजी से पूरा किया जा रहा है। रैंप बनाकर उसमें मिट्टी का भराव भी कर दिया गया है। अब रैंप के किनारे और नीचे दीवार खड़ी की जा रही है। अगले दस दिनों में दीवार खड़ी करने और सेतु के ऊपर इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने का काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद सिर्फ रैंप पर सड़क बनाने का काम रह जाएगा। उन्होंने कहा कि 2021 में ही लालफाटक पर सेतु निगम अपना काम पूरा कर लेगा। रेलवे ने दिखाई होती तेजी तो जनवरी में भरते फर्राटा। रेलवे ने इससे पहले लाल फाटक क्रॉसिंग पर नवंबर तक अपना काम पूरा कर लेने का वादा किया था लेकिन फिर भी निर्माण की गति तेज नहीं की। रेलवे अब तक सिर्फ 50 फीसदी काम ही पूरा कर सका है। हाल में निरीक्षण के बाद डीआरएम साफ कर दिया कि मार्च से पहले रेलवे काम पूरा नहीं कर पाएगा। ऐसे में सेतु निगम भले दिसंबर तक काम पूरा कर ले लेकिन शहर के लोगों को ओवरब्रिज पर फर्राटा भरने के लिए चार महीने का इंतजार करना पड़ेगा।

जौनपुर जिले में पैदा हुए चंद्र भूषण यादव आज अमेरिका में बने कमिश्नर

जौनपुर ब्यूरो : यूपी के जौनपुर जैसे जिले में पैदा हुए चंद्र भूषण यादव आज अमेरिका में कमिश्नर बन बैठे हैं। खुद की काबलियत और माता पिता तथा गुरुजनों के आशीर्वाद से अमेरिका तक का उनका ये सफर किसी बड़े चुनौती जैसा था जिसको उन्होंने अपने दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर हासिल कर इतिहास रच दिया। श्री चंद्र भूषण यादव की इस सफलता पर उनके गृहजनपद के रहने वालों सहित उनके तमाम जानने वालों ने उन्हें इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है। मूलतः जौनपुर उत्तर प्रदेश के रहने वाले चंद्र भूषण यादव कम्प्यूटर विज्ञान के साथ इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि ग्रहण करने के बाद पत्नी सुगंधा और दो बेटों के साथ अमेरिका के जॉर्जिया में जाकर व्यवसाय शुरू किए। व्यवसाय में सफलता हासिल करने के दौरान वो जॉर्जिया के गवर्नर ब्रेन केम्प के नजदीक आये जहां से उन्होंने आगे की सफलता प्राप्त की। आपको बता दें कि जॉर्जिया के गवर्नर ब्रेन केम्प की पहचान एक साधारण एवं सौम्य स्वभाव वाले व्यक्ति की तरह की जाती है जिनको अमेरिका में भारतीयों का सबसे बड़ा मददगार भी कहा जाता है। गवर्नर ब्रेन केम्प के सहयोग और खुद के मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर श्री यादव ने जॉर्जियाई आयोग के प्रथम सदस्य का पद प्राप्त किया। इसके पूर्व में वो जॉर्जिया के कैमडेन शहर

में एक छोटे से व्यवसाय की नींव रखी थी। वर्ष 2003 में अमेरिका के प्रदेश कैमडेन से व्यवसाय शुरू करने वाले श्री यादव आज कई किराना स्टोर और मोटर व्यवसाय के मालिक भी है। श्री चंद्र भूषण यादव मौजूदा वक्त में किंग्सलैंड पर्यटन के उपाध्यक्ष, कैमडेन बोर्ड के सदस्य,कैमडेन काउंटी काउंटी संयुक्त विकास प्राधिकरण, कैमडेन काउंटी चौंबर ऑफ कॉमर्स, और जॉर्जिया चौंबर के अलावा सिक्का सन्चालित मनोरंजन मशीन COAM बोर्ड के सचिव पद की शोभा बढ़ा रहे हैं इसके पहले उन्होंने किंग्सलैंड डाउन टाउन डेबलपमेंट अथार्टी ज्ञक्क। और लघु व्यवसाय विकास केंद्र SBDC के बोर्ड में कार्य कर चुके हैं।

बीआरसी पर दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : शिक्षा के साथ बच्चों के जीवन में खेलकूद का अहम स्थान है। विकास खंड कछौना के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं से नौनिहालों को अपने अंदर छिपी प्रतिभा निखारने का मंच मिलता है।खेलकूद प्रतियोगिता में नौनिहालों ने खेलकूद प्रतियोगिता के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक प्रमोद दीक्षित, असलम , एचसीएल के हेड योगेश कुमार, भुवाल प्रजापति व खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार बोस ने मां सरस्वती व हाकी खिलाड़ियों के मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की। शिक्षक प्रमोद दीक्षित ने कहा कि खेल से देशभक्ति, आपसी सौहार्द व एकता की भावना जागृत होती है। योगेश कुमार ने कहा कि खेल को खेल भावना से खेलें, किसी भी प्रतियोगिता में हार–जीत मायने नहीं रखती, आपका बेहतर प्रदर्शन ही आपका उपहार है। खंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार बोस ने कहा कि सीमित संसाधन के बावजूद शिक्षकों की कड़ी मेहनत के चलते बच्चे बेहतर प्रदर्शन कर ब्लॉक, जिले, मंडल, प्रदेश में नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से ब्लॉक संसाधन केंद्र के पास पड़ी काफी भूमि जिसमें पूर्व में अवैध कब्जा था, आज भी कुछ लोगों का अवैध कब्जा है। उस भूमि को खेलकूद मैदान के रूप में विकसित कराने की आवश्यकता को लेकर अनुरोध किया। जिससे कछौना क्षेत्र के नौनिहालों को अपना खेल मैदान मिल जाएगा। जिससे ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतियोगिताओं को निखारने का मंच मिल जाएगा। सभी बच्चों को खेल से जोड़ना होगा। हमारे ब्लॉक के तमाम बच्चों ने सीमित संसाधनों से खेल क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया। खेलों का अहम रोल है। नौनिहालों का खेलकूद से शारीरिक

व मानसिक विकास होता है। स्वास्थ्य शरीर में स्वास्थ्य मस्तिष्क का विकास होता है। कछौना ब्लॉक के समस्त विद्यालयों से न्याय पंचायत वार टीमें गठित कर खेल कूद कबड्डी, खो–खो, बैडमिंटन, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोलाफेंक, कुश्ती, वॉलीवाल, सुलेख, मानचित्र, निबंध, विशेष प्रदर्शनी योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया। प्रथम दिवस में प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। द्वितीय दिवस में जूनियर हाई स्कूल के नौनिहालों ने बेहतर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले नौनिहालों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार व स्मृति चिन्ह देकर हौसला अफजाई की गई। इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर नौनिहाल काफी उत्साहित थे। इस प्रतियोगिता में अधिशासी अधिकारी रेणुका यादव, लिपिक जे०बी० सिंह, जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष रामनरेश त्रिपाठी, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रेमचन्द्र कनौजिया, ब्लॉक पीटीआई श्रवण कुमार मिश्रा व ज्योत्सना सिंह, जूनियर हाई स्कूल के प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार, समस्त एआरपी, विपिन कुमार शुक्ला, राजेश कुमार, लाल बहादुर सिंह, दीपक जायसवाल, जगवीर सिंह, शैलेन्द्र सिंह, तेजपाल मौर्य, प्रदीप कुमार, अखिलेश कुमार, आदर्श कुमार, शिल्पी, प्रीती, अभिषेक यादव, दीपक दीक्षित, नैमिष सिंह सहित शिक्षकों ने बढ़–चढ़कर अपनी भागीदारी की। प्रतियोगिता का संचालन शिक्षक अमित ओमर ने किया। इन प्रतियोगिताओं से मनोरंजन के साथ जिंदगी में ऊर्जा का संचार होता है। टीम भावना का विकास होता है। जिससे वह भविष्य में अच्छे नागरिक बनकर देश की सेवा करते हैं।

बैंक व पालिका अधिकारियों के साथ विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अलका पांडेय ने की बैठक

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के आदेश के अनुपालन में 11दिसम्बर 2021 को मुख्यालय से लेकर तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।जिसकी तैयारी को लेकर आज जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई सुरेन्द्र सिंह–प्रथम के आदेशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई अलका पाण्डेय ने जनपद हरदोई के बैंक अधिकारियों तथा नगर पालिका के अधिकारयो के साथ बैठक की।बैठक में उन्होने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण कराये जाने हेतु चर्चा की। सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु समय से नोटिस कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराने की अपील भी

की। इस अवसर पर जिला अग्रणी बैंक से जे. पी. सिंह, इंडियन बैंक प्रबन्धक आशुतोष मिश्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ प्रबन्धक अमरनाथ सोनकर, आर्यावर्त बैंक वरिष्ठ प्रबन्धक श्री ग्रेतीश सिंह नेगी, पंजाब नेशनल बैंक से कमलेश कुमार तथा जे. ई. नगर पालिका परिषद की ओर से चन्द्रकान्त आदि मौजूद रहे।

महंत नरेंद्र गिरि की मौत का मामला : मठ और मंदिर की प्रतिष्ठा को आनंद ने ठेस पहुंचाई, इसीलिए वसीयत से हटाया

प्रयागराज ब्यूरो : महंत ने नरेंद्र गिरि ने दस साल के अंदर तीन वसीयतें लिखी थीं लेकिन अंतिम वसीयत में उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि आनंद ने मठ और मंदिर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई। इसीलिए उन्हें उत्तराधिकारी के पद से हटाया जा रहा है। नरेंद्र गिरि ने वसीयत में आस्ट्रेलिया का नाम तो नहीं लिखा लेकिन इशारों में बताया कि वह विदेशों में धर्मविरोधी गतिविधियों में शामिल था। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मठ, मंदिर और साधु समाज की छवि को नुकसान पहुंचा। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में तीनों वसीयतों को भी भी आधार बनाया है। नरेंद्र गिरि ने चार जून 2020 को अधिवक्ता ऋषि शंकर द्विवेदी के मार्फत नई वसीयत बनवाई थी। इसमें उन्होंने स्वामी बलवीर गिरि को उत्तराधिकारी घोषित करते हुए आनंद गिरि को हटा दिया था। नई वसीयत में नरेंद्र गिरि ने लिखा था कि आनंद गिरि ने बाघंबरी मठ से अलग गंगा सेना नाम का संगठन बनाया है। इसका मठ और मंदिर से कोई संबंध नहीं। आनंद अक्सर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए विदेश जाते रहते हैं।महंत ने इशारे में आस्ट्रेलिया में आनंद की गिरफ्तारी को बनाया आधार। विदेशों में आनंद ने खुद को धर्मविरोधी गतिविधियों में शामिल कर लिया, जिसके कारण बाघंबरी मठ और हनुमान मंदिर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। उन्होंने इशारों में ही आस्ट्रेलिया में आनंद की गिरफ्तारी को इसका आधार बनाया था। इन्हीं सब तमाम कारणों से आनंद

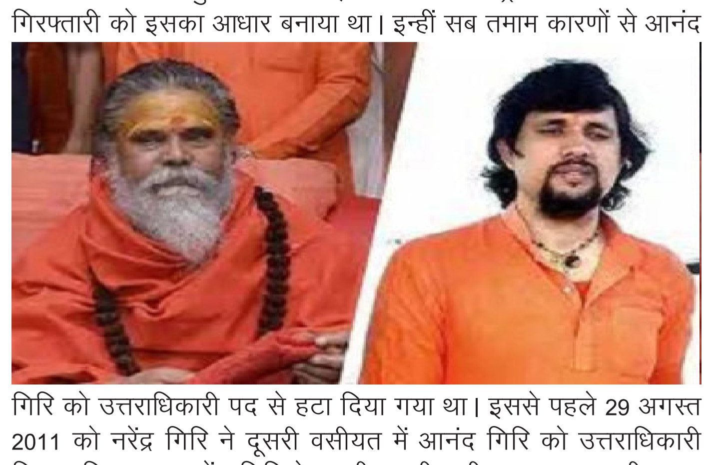

गिरि को उत्तराधिकारी पद से हटा दिया गया था। इससे पहले 29 अगस्त 2011 को नरेंद्र गिरि ने दूसरी वसीयत में आनंद गिरि को उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। नरेंद्र गिरि ने अपनी पहली वसीयत सात जनवरी 2010 को लिखी थी। इसमें उन्होंने स्वामी बलवीर गिरि को उत्तराधिकारी बनाया था। सीबीआई ने नरेंद्र गिरि की तीनों वसीयतों का उल्लेख चार्जशीट में किया है। सुसाइड पूर्व वीडियो सबसे बड़ा सुबूत, फोरेंसिक एक्सपर्ट ने सही माना। नरेंद्र गिरि ने अपनी मौत से पहले सुसाइड पूर्व वीडियो बनाया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि खुदकुशी करने जा रहे हैं। इसकी वजह उन्होंने आनंद गिरि, आद्या तिवारी और संदीप तिवारी को बताई। कारण वही आपत्तिजनक वीडियो था, जिसका उन्होंने सुसाइड नोट में उल्लेख किया था। सीबीआई को उनके मोबाइल से दो वीडियो बरामद हुए थे, जो नरेंद्र गिरि ने बनाए थे। दोनों वीडियो की फोरेंसिक जांच कराई गई। फोरेंसिक एक्सपर्ट ने दोनों वीडियो को सही माना।

लखीमपुर खीरी हिंसा: नई जांच टीम खीरी से तिकुनिया के लिए रवाना, घटनास्थल का करेगी मुआयना

लखीमपुर खीरी ब्यूरो : तीन अक्तूबर को लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दोबारा गठित की गई जांच टीम लखीमपुर खीरी पहुंच गई है। इसके बाद वह मुख्य घटनास्थल तिकुनिया के लिए रवाना हो गई है। जांच टीम तिकुनिया में घटनास्थल का मुआयना कर जांच आगे बढ़ाएगी। इससे पहले टीम के सदस्य लखनऊ में एडीजी जोन एसएन साबत से मिल चुके हैं। जबकि पुरानी टीम को भंग कर दिया गया है। तिकुनियां कांड की जांच कर रही टीम में सुप्रीम कोर्ट ने 17 नवंबर को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस राकेश कुमार जैन को जांच की निगरानी, निष्पक्षता और स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिये नियुक्त किया था, साथ ही विशेष जांच टीम का पुनर्गठन कर तीन वरिष्ट आईपीएस अधिकारी एसबी शिरडकर, प्रितिंदर सिंह और पद्‌मजा चौहान को शामिल करने के आदेश दिये थे। इससे पहले जांच टीम के मुखिया डीआईजी उपेंद्र अग्रवाल थे, जिनके नेतृत्व में जांच हो रही थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे भंग कर नई टीम पुनर्गठित किया था।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन की तैयारियाँ अंतिम चरण में : भाजपा ने नियुक्त किये व्यवस्था प्रमुख

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कमर कस ली है। मिशन 2022 को फतह करने के लिए भाजपा कोई कोर–कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इसी को लेकर पार्टी के शीर्ष नेताओं का प्रदेश में मैराथन दौरे शुरू हो चुके हैं। भाजपा का मेन फोकस बूथ मजबूत करने को लेकर है। इसी क्रम में जौनपुर के टी डी पी जी कालेज के उमानाथ सिंह स्टेडियम में आगामी 27 नवंबर को भाजपा बूथ अध्यक्षों का क्षेत्रीय सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन को पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं रक्षा मन्त्री राजनाथ सिंह जी सम्बोधित करेंगे। सम्मेलन में काशी क्षेत्र के 16 सांगठनिक जिलों के बूथ अध्यक्ष शामिल होकर रक्षा मन्त्री राजनाथ सिंह जी द्वारा अपनी विधानसभा सीटों पर कमल खिलाने का गुरुमंत्र सीखेंगे। इस सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द श्रीवास्तव एवं जिला प्रभारी पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी के अनुमति से जिलाध्यक्ष जौनपुर पुष्पराज सिंह ने व्यवस्था प्रमुखों की नियुक्ति किया है जिसमे :– कार्यक्रम के प्रमुख जिले के जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता और सुनील तिवारी रहेंगे, मंच व्यवस्था प्रमुख जिला महामंत्री ई.अमित श्रीवास्तव और उनके तीन सहयोगी डीसीएफ चेयरमैन धनंजय सिंह, पूर्व जिला मंत्री भूपेंद्र सिंह, अखिलेश मिश्रा अखिल रहेंगे, वाहन व्यवस्था प्रमुख जिला मंत्री अभय राय और उनके सहयोगी जिला उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा अवधेश सोनकर रहेंगे, जलपान व्यवस्था प्रमुख जिला मन्त्री प्रमोद यादव और उनके सहयोगी जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा विपिन द्विवेदी रहेंगे, अतिथि व्यवस्था प्रमुख भूपेंद्र पांडेय व जिला मन्त्री डॉ उमाशंकर सिंह रहेंगे, आवास व्यवस्था प्रमुख जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंघनिया और उनके सहयोगी जिला मन्त्री राज पटेल रहेगे,

पार्किंग व्यवस्था प्रमुख किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष नरेंद्र उपाध्याय और उनके सहयोगी जिला महामंत्री किसान मोर्चा इंद्रसेन सिंह और पूर्व मण्डल अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह रहेंगे, सुरक्षा वालंटियर प्रमुख आशीष जायसवाल और उनका सहयोग करेगा युवा मोर्चा और उत्तरी मंडल के पदाधिकारी, ध्वनि एवं विद्युत व्यवस्था प्रमुख धर्मपाल कनौजिया और उनके सहयोग में रहेंगे सुनील सेठ, चिकित्सा व्यवस्था प्रमुख डॉ अमरनाथ पांडेय और उनके सहयोग में रहेंगे आशीष गुप्ता, कार्यक्रम एवं प्रांगण व्यवस्था प्रमुख जिला मन्त्री रविंद्र सिंह राजू दादा और उनका सहयोग करेंगे सभासद नंदलाल यादव, मैदान के बाहर के साज सज्जा प्रमुख अनिल गुप्ता और उनका सहयोग करेंगे दक्षिणी मंडल के कार्यकर्ता, प्रोटोकॉल एवं प्रशासनिक व्यवस्था प्रमुख विनीत शुक्ला और उनका सहयोग करेंगे नरेंद्र गुप्ता, मीडिया व्यवस्था प्रमुख जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह और उनका सहयोग करेंगे उनके सह मीडिया प्रभारी सुशान्त चौबे एवं प्रतीक मिश्रा, आईटी प्रमुख जिला आईटी संयोजक रोहन सिंह और उनका सहयोग करेंगे उनके सहयोगी अवनीश यादव, सोशल मीडिया प्रमुख जिला सोशल मीडिया संयोजक सिद्धार्थ राय और उनका सहयोग करेंगे उनके सहयोगी हर्ष मोदनवाल, पेयजल व्यवस्था प्रमुख सभासद विपिन सिंह और उनके सहयोगी बसंत प्रजापति रहेंगे, स्वच्छता व्यवस्था प्रमुख अनुसूचित जनजाति के प्रदेश मंत्री सरस गौंड और उनके सहयोग में सभासद सतीश सिंह त्यागी और संतोष मौर्य रहेंगे। जिलाध्यक्ष ने नियुक्त सभी व्यवस्था प्रमुखों को अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करने व जिम्मेदारीयों की जवाब देही तय करने का निर्देश दिया।

गेहूं की सभी प्रकार के उन्नतशील बीज 50% अनुदान पर उपलब्ध है : के के सिंह

जौनपुर। शाहगंज पत्रकार धनन्जय विश्वकर्मा : जनपद के सभी विकास खण्डो में स्थापित कृषि निवेश केंद्रों से गेहूं बीज का वितरण जनपद के कृषि को में 50% अनुदान पर किया जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी केके सिंह ने बताया है, कि सभी कृषि निवेश केंद्रों पर वितरण के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध है। कृषि विभाग द्वारा विभिन्न प्रजातियों की आधारीय एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध है। कृषि विभाग पोर्टल पर पंजीकृत कृषि अनुदान का लाभ लेने के लिए कृषक पंजीकरण संख्या बैंक खाता संख्या जो आधार से लिंक हो और आधार कार्ड लेकर कृषि निवेश केंद्र पर जाएं। बीज क्रय करते समय कृषक को कुल फुटकर बिक्री मूल्य अदा करना होगा तत्पश्चात एक सप्ताह में 50% अनुदान की राशि किसान के खाते में विभाग द्वारा

हस्तान्तरित कर दी जाएगी। कृषि निवेश केंद्रों पर गेहूं बीज की प्रजाति एच0डी0– 2967 एच0डी0– 3086 पी0बी0डब्ल्यू0– 343 उन्नत, एवं डब्ल्यू0 एच– 1105 उपलब्ध है।

रोजगार मेले में 236 छात्रों का हुआ चयन

जौनपुर। शाहगंज पत्रकार धनन्जय विश्वकर्मा : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सरहद शाहगंज में बृहस्पतिवार रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 236 छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ। प्रधानाचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रोजगार मेला रोजगार दिलाने में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है और इसमें हर आईटीआई कर रहे छात्र एवं छात्राओं को प्रतिभाग करना जरूरी है।आईटीआई प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके छात्र एवं छात्राओं को रोजगार मिलने की संभावना बड जाता है।इस मेले से प्रशिक्षण पा चुके छात्र एवं छात्राओं को रोजगार का अवसर प्राप्त होगा और कार्य करने का अनुभव भी प्राप्त होगा। चयनित अभ्यर्थियों को प्रधानाचार्य संजय श्रीवास्तव ने नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया और प्रशिक्षण पा चुके छात्रों को मेले में प्रतिभाग करने के लिए जागरूक किया इस दौरान चंदन प्रसाद

प्रीति मौर्या,संजय कुमार सिंह,अभय शर्मा,प्रेमशिला सिंह,श्वेता, नरेंद्र कुमार मेहता सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान जारी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जनपद की कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने एवं अपराध/अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक जौनपुर श्री अजय साहनी के निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत जनपद के थानों द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 06 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जिसका थानावार विवरण निम्न प्रकार हैः–

1. थाना चन्दवक पुलिस ने मु0न0 797/20 धारा 323/504 भादवि से संबन्धित 02 नफर 1. अभियुक्त संतोष यादव पुत्र रामदास यादव निवासी रामदेवपुर थाना चंदवक जनपद जौनपुर। 2.अनिल यादव पुत्र स्व0 राधेश्याम यादव निवासी रामदेवपुर थाना चंदवक जनपद जौनपुर। व मु0न0–447/20 धारा–323/504 भादवि से संबन्धित 03 वारंटी 1. राजेश नाविक पुत्र रामवचन नाविक 2.. पिन्टू पुत्र नन्दलाल नाविक 3. छठ्ठू नाविक पुत्र लालजी नाविक निवासीगण रामगढ़ थाना चंदवक जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया आवश्यक कार्यवाही की जा रही है । 2.थाना खेतासराय पुलिस ने द्वारा मु0नं0 1311/2020–धारा–128 सीआरपीसी थाना खेतासराय जौनपुर से संबंधित वारण्टी फागू लाल बिंद पुत्र श्याम नाथ बिंद निवासी तारगहना थाना खेतासराय जौनपुर को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

इस प्रकार अभियान के दौरान कुल 06 वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी ।

कार्यकर्ता प्रदेश में पुनः सरकार बनाने के लिए झोक दें पूरी ताकत :महेश चंद

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : केराकत तहसील क्षेत्र अंतर्गत काशी क्षेत्र के भाजपा अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव ने भाजपा कार्यकर्ताओ का आह्वान करते हुए कहा कि आगामी विधान सभा के होने वाले चुनाव में भाजपा की फिर से सरकार बनाने के लिये पूरी ताकत झोक देना होगा। बुधवार को पब्लिक इन्टर कालेज के मैदान पर आयोजित विशाल सदस्यता ग्रहण समारोह को वह बतौर मुख्यअतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा का सदस्यता ग्रहण करने वालों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। जिन लोगो ने सदस्यता ग्रहण किया है उनको पार्टी में सम्मान मिलेगा। भाजपा सर्व समाज का हित के लिये कार्य करती है।इस अवसर पर समाज सेवी नरेन्द्र प्रताप सिंह अपने भारी समर्थक के साथ भाजपा में शामिल होकर भाजपा का सदस्यता ग्रहण किया। तथा डेहरी ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि फरहान अहमद , मुर्की प्रधान मो0 सादिक ने भी अपने सैकड़ो समर्थको के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया। जिसमें मुस्लिम महिलाएं भी शामिल रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम विलास पाल व संचालन महेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर विधायक दिनेश चौधरी, पूर्व विधायक अशोक सोनकर ,राजेश्वरी सिंह, बृजेश सिंह, ध्रुव कुमार सिंह, पथरू सिंह, राम समुझ निषाद, विनय सिंह पूर्व प्रमुख, सर्वेश दीक्षित, गौतम मिश्र, संजय सिंह ,संजय पान्डेय एवं के के सिंह आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम में आयी आशा कार्यकर्तियो को साड़ी का वितरण किया गया।

भागवत कथा के श्रवण मात्र से कट जाते हैं पाप : पंडित प्रमोद त्रिवेदी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भागवत ऐसी अमृत कथा है जिसके श्रवण मात्र से मनुष्य का पाप कट जाते हैं और उसका हृदय निर्मल हो जाता है।धुंधकारी नामक एक पिशाच ने अपने जीवन में बहुत ही क्रूर कर्म व पाप किए थे। इसकारण वह प्रेत योनि में भटक रहा था। धुंधकारी भी प्रतिदिन भागवत कथा का श्रवण कर रहा था। कथा सुनने के कारण उसके पाप कट गए और उसको मुक्ति मिल गई। उसने फिर से मनुष्य जीवन प्राप्त कर लिया। उक्त बातें बुद्धवार को तालामझवारा गांव में पंडीत रुद्रप्रसाद पांडेय के आवास पर क्षेत्र कल्याण के लिए शुरू हुये सात दिवसीय श्री मद भागवत महापुराण साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ के कथा श्रवण करवाने के दौरान वाराणसी से पधारे आचार्य पंडित कथा व्यासः श्री प्रमोद त्रिवेदी जी महाराज ने कही भागवत महातम के प्रत्येक श्लोक में श्रीकृष्ण–प्रेम की सुगन्धि है। इसमें साधन–ज्ञान, सिद्धज्ञान, साधन–भक्ति, सिद्धा–भक्ति, मर्यादा–मार्ग, अनुग्रह–मार्ग, द्वैत, अद्वैत समन्वय के साथ प्रेरणादायी विविध उपाख्यानों का अद्भुत संग्रह है।कथा आरम्भ के पूर्व मुख्य यजमान प्रतिनिधि के रूप में विजय कृष्ण पांडेय के द्वारा ब्यास पीठ का पूजन व आचार्य का माल्यार्पण कर सुरु किया गया इस मौके पर आचार्य कमलाकांत मिश्रा,आचार्य गोपाल शुक्ल,गायक विनोद दुबे, तबला पर निखिलजी, आर्गन में संतोष बृजनारायन पांडेय,शारदा पांडेय,जयशंकर पांडेय,अवधेश पांडेय,नारायण पांडेय,अवधनारायण सिंह,कृष्णचंद चौबे ,प्राणनाथ पांडेय,समेत भारी सँख्या में लोग मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सरपतहां थाना क्षेत्र के जूड़ापुर पेट्रोल पम्प के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गयी।घटना बुधवार रात लगभग सात बजे की है।जानकारी के अनुसार पलिया गांव निवासी प्रदीप बिन्द उर्फ मूसे (28) पुत्र सन्तू बाइक से अपने घर आ रहा था कि उक्त स्थान पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गम्भीर रूप से घायल हो गया, घटना की खबर मिलते हीं परिजन रोते बिलखते मौके पर पहुंचे और तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुइथाकला ले गये जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलते हीं वरिष्ठ उपनिरीक्षक नागेन्द्र प्रसाद सिंह उपनिरीक्षक राम नारायण गिरी तथा उपनिरीक्षक सच्चिदानंद मय हमराह मौके पर पहुंच गये और घटना के सम्बन्ध में जानकारी लेने के साथ हीं आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दिए।इधर युवक के मौत की सूचना मिलते हीं परिजनों में कोहराम मच गया।युवक की मौत से जहां दो बच्चों के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया तथा पत्नी का सुहाग उजड़ जाने से उपस्थित लोगों की आंखों से आंसू छलक पड़े।

छात्राओं ने जाने महिला सशक्तिकरण के टिप्स

आर एल पाण्डेय लखनऊ। जवाहर नवोदय विद्यालय पिपरसंड में आज छात्राओं के लिए महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जाने माने काउन्सलर डॉक्टर गौरव सक्सेना शामिल हुए । कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाचार्य वी के बाजपेयी के द्वारा

दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम को दो चरणों में किया गया। प्रथम चरण – में छात्राओं को योग्य छात्रा बनने के मूल मन्त्र के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में छात्राओं को शिक्षा, कैरियर ,समाज में नारी की स्थिति, कानून में उनके लिए उपयोगी मानवाधिकार, तन–मन को स्वस्थ एवं नियन्त्रित करने के टिप्स, पारिवारिक समस्याओं का समाधान, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वयं को प्रतिमान बनाने के तरीके तथा व्यक्तिगत समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का हल सामाजिक एवं वैज्ञानिक दोनों तरीकों से बताया गया। कार्यक्रम के अन्त में वी के बाजपेयी के द्वारा डा. गौरव सक्सेना को " सुपरमैन ऑफ काउन्सलिंग " की उपाधि एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

आज जमुनाझील एंव मोतीझील का निरीक्षण करने पहुँचे मण्डलायुक्त

आर एल पाण्डेय लखनऊ। झील बचाओ अभियान का प्रयास रंग लाने लगा है। सांसद प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी

वा राघवेंद्र शुक्ला के साथ हुई बैठक के बाद बधुवार को मण्डलायुक्त रंजन कुमार ने ऐतिहासिक जमुनाझील व मोतीझील का निरक्षण कर झीलों की बदहाली को देखा इस मौके पर लखनऊ विकास प्राधिकरण व नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद रहे जिन्हें मण्डलायुक्त ने झीलों की सफाई करने का,सुरक्षा व्यवस्था हेतु गाडों की नियुक्ती करने का, झीलों से अवैध कब्जा हटाने का व दोनों झीलों का मूल स्वरूप में वापस लाने का आदेश दिया। इस मौके पर झील बचाओ अभियान के संरक्षक गनेश कनौजिया ,सदस्य उमाशंकर सिंह,अमन त्रिपाठी, पूर्व पार्षद केके दुबे, अन्नू तिवारी, गौरव बाजपेई व अन्य लोग भी मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जनपदीय क्रीड़ा प्रतियोगिता

जौनपुर सू.वि. : बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 43वीं जनपद स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता दो दिवसीय स्थान सार्वजनिक पी जी कालेज मुंगराबादशाहपुर में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। दूसरे दिन के कार्यक्रम का मुख्य अतिथि सांसद राज्यसभा सीमा द्विवेदी व सहायक मंडलीय बेसिक शिक्षा निदेशक डा अवध किशोर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीमा द्विवेदी ने कहा कि खेलकूद का जीवन में बहुत महत्व है इससे शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। आगे उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा में अब बहुत अच्छा बदलाव आया है, शिक्षण कार्य में बेहतर उन्नति की ओर अग्रसर है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. गोरखनाथ पटेल ने कहा कि पढ़ाई–लिखाई के साथ खेल भी जरूरी है। एक अच्छा खिलाड़ी अपने खेल के माध्यम से अपने परिवार व देश का नाम गौरवान्वित करता है। उन्होंने कहा कि अच्छा खिलाड़ी अपने खेल और व्यक्तित्व द्वारा दूसरे खिलाड़ियों को प्रेरणा देता रहता है। अगर प्रतिभा और कुछ करने की लालसा, हौसला और अनुशासन है तो एक न एक

दिन सफलता जरूर प्राप्त करेंगे। अतिथियों का स्वागत खण्ड शिक्षा अधिकारी मुंगराबादशाहपुर डा जवाहरलाल यादव ने किया। आभार ब्लाक प्रमुख सतेंद्र सिंह फन्टू ने व्यक्त किया। संचालन प्रीति गुप्ता व संजय कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी, राजीव सिंह, अमित सिंह, सै मो मुस्तफा, अजीत प्रताप सिंह, राजीव रत्नम तिवारी राहुल सिंह, कृपा शंकर तिवारी, रवि चन्द्र यादव राकेश, हंसराज सिंह आदि उपस्थित रहे। सभी विकास खण्ड के बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया।

28 वां राम वन गमन यात्रा संपन्न

आर एल पाण्डेय लखनऊ। सनातन धर्म परिषद् एवं श्री राम वन गमन मार्ग विकास परिषद द्वारा आयोजित अयोध्या से रामेश्वरम् तक राम वन गमन यात्रा 24 नवंबर 2021 को पूर्ण हो गया । यात्रियों ने अयोध्या, तिरुपति एवं रामेश्वरम् धाम का विधिवत भव्य दर्शन पूजन अर्चन किया। यात्रा प्रमुख श्याम मनोहर तिवारी सनातन धर्म परिषद राष्ट्रीय महासचिव एवं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बलरामपुर के नेतृत्व में यात्रा संपन्न हुई। यात्रा में सर्वश्री हरि शरणानंद जी, राम मनोहर दास, जयप्रकाश मिश्रा (रिंकू मिश्रा प्रधान) सपनिल तिवारी, राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, शिव शंकर पाठक, अतुल मिश्रा, रजनीश तिवारी, अमरेंद्र वर्मा, चंदन कसौधन, शुभम सिंह, कौशल नाथ तिवारी, विजय कुमार मिश्रा, हर्ष तिवारी, अमरेश चंद्र तिवारी ,करमचंद पांडे, दिवाकर विश्वकर्मा, प्रवेश कुमार और देवदास पासवान आदि महानुभावों ने भाग लिया। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जानकारी दी।

प्रयागराज और कानपुर सेंट्रल का होगा कायाकल्प : मिलेगी एयरपोर्ट सरीखी सुविधाएं

प्रयागराज ब्यूरो : हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से सुसज्जित हुए भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की तर्ज पर प्रयागराज जंक्शन का भी कायाकल्प होगा। यहां 400 करोड़ रुपये की लागत से एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं यात्रियों को दी जाएंगी। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। बृहस्पतिवार से रेलवे द्वारा स्टेशन के डेवलपमेंट के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। उत्तर मध्य रेलवे जोन ने अपने दो प्रमुख रेलवे स्टेशनों प्रयागराज जंक्शन और कानपुर सेंट्रल को विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए यहां एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं यात्रियों को उपलब्ध करवाई जाएंगी। वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के पूर्व प्रयागराज जंक्शन का कायाकल्प किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यहां होने वाले तमाम कार्यों के लिए 25 से 30 नवंबर 21 तक टेंडर प्रक्रिया होगी। दरअसल प्रयागराज जंक्शन को विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने की योजना वर्ष 2018 में ही बनी थी, लेकिन वर्ष 2019 में लगे कुंभ और उसके बाद कोरोना संक्रमण काल की वजह से इसमें कुछ काम नहीं हो सका। अब एनसीआर प्रशासन ने इन दोनों ही स्टेशनों को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने की तैयारी की है। जंक्शन के सिटी साइड में रेलवे द्वारा इस दौरान कई कार्य किए जाएंगे।यह प्रमुख कार्य होंगे प्रयागराज जंक्शन में । यहां एक मल्टी स्टोरी इमारत का निर्माण कर वहां एक ही छत के नीचे यात्रियों के ठहरने, खाने एवं जरूरी वस्तुओं की खरीदारी की सुविधा दी जाएगी। इस दौरान रूट वाइज ट्रेनों के यात्रियों के आने एवं जाने का रास्ता बनाया जाएगा। इस व्यवस्था से कुंभ मेले के दौरान भी यात्रियों को सहूलियत होगी। जंक्शन पर लिफ्ट और एस्केलेटर की संख्या भी

बढ़ाई जाएगी। जंक्शन के सिटी साइड के साथ सिविल लाइंस साइड में आधुनिक प्रतीक्षालय का भी निर्माण होगा। तकरीबन 100 यात्रियों की क्षमता वाले डारमेंट्री का निर्माण, सभी प्लेटफार्म पर साधारण टिकट की खरीदारी के लिए एटीवीएम आदि की भी व्यवस्था की जाएगी। दोनों साइड में पिकअप और ड्राप प्वाइट लेन का निर्माण, प्रीपेड टैक्सी बूथ और आधुनिक सुविधाओं से युक्त वाहन पार्किंग भी बनाई जाएगी। स्टेशन डेवलपमेंट कारपोरेशन नहीं करेगा काम। जंक्शन और कानपुर सेंट्रल स्टेशन को विकसित करने का काम पहले इंडियन रेलवे स्टेशन डेवलपमेंट कारपोरेशन को करना था, लेकिन अब यह कार्य उत्तर मध्य रेलवे जोन अपने स्तर से करेगा। प्रयागराज और कानपुर स्टेशन प्रयागराज मंडल के ही अधीन है। इस वजह से यहां होने वाले सारे कार्य की मॉनीटरिंग डीआरएम प्रयागराज की ही रहेगी। मंडल के प्रयागराज जंक्शन और कानपुर सेंट्रल के डेवलपमेंट का कार्य होना है। यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं यात्रियों को उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया अब शुरू होने जा रही है। – मोहित चंद्रा, डीआरएम, प्रयागराज मंडल ।

आईआरसीटीसी : पहली बार प्रयागराज से चलने वाली दक्षिण भारत दर्शन यात्रा ट्रेन निरस्त

प्रयागराज ब्यूरो : प्रयागराज से पहली बार 27 नवंबर को चलने वाली दक्षिण भारत दर्शन यात्रा ट्रेन इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने निरस्त कर दी है। बताया जा रहा है कि सहालग की वजह यात्री काफी कम मिले। इसी वजह से आईआरसीटीसी ने ट्रेन निरस्त कर दी। जिन लोगों ने ट्रेन में अपने टिकट बुक करवा रखे थे उन्हें दस दिसंबर को गोरखपुर से शुरू होने वाली दक्षिण भारत दर्शन यात्रा ट्रेन का विकल्प दिया गया है। ज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा ट्रेन के बाद प्रयागराज से आईआरसीटीसी ने पहली बाद दक्षिण भारत दर्शन यात्रा ट्रेन चलाने का एलान किया था। यह ट्रेन शनिवार 27 नवंबर को सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से चलनी थी। 12 रात और 13 दिन के इस टूर पैकेज से यात्रियों को रामेश्वरम, मदुरई, तिरुवनंतपुरम, तिरुपति बालाजी, कन्याकुमारी, मल्लिकार्जुन आदि स्थानों पर ले जाने की तैयारी थी, लेकिन सहालग की वजह से आईआरसीटीसी को प्रयागराज से महज 160 यात्री ही मिले। जबकि पिछले माह प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन से चली ज्योतिर्लिंग स्पेशल ट्रेन को प्रयागराज से ही 800 यात्री मिल गए थे। कम यात्रियों की वजह से आईआरसीटीसी ने दक्षिण यात्रा ट्रेन निरस्त कर दी है। साथ ही जिन यात्रियों ने संबंधित ट्रेन में अपने टिकट बुक करवा रखे थे उन्हें गोरखपुर से चलने वाली दक्षिण भारत दर्शन यात्रा में सफर करने एवं रिफंड का भी विकल्प दिया है। हालांकि यह ट्रेन सुल्तानपुर, लखनऊ या कानपुर से ही मिलेगी। आईआरसीटीसी

के क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत सिन्हा ने ट्रेन निरस्त होने की पुष्टि की है। जयपुर एक्सप्रेस का इटावा, फतेहाबाद में पहुंचने का बदलेगा समय। प्रयागराज जंक्शन से जयपुर जाने वाली ट्रेन का इटावा और फतेहाबाद पहुंचने के समय में बदलाव होने जा रहा है। एक दिसंबर से गाड़ी संख्या 12403 रात 3.28–3.30 की जगह रात 3.38–3.40 बजे इटावा एवं सुबह 4.48–4.50 की जगह 4.58–5.00 बजे फतेहाबाद पहुंच जाएगी। पटना–पुणे छठ स्पेशल का रेलवे ने किया विस्तार। प्रयागराज छिवकी के रास्ते चल रही पटना–पुणे छठ स्पेशल ट्रेन का रेलवे ने विस्तार कर दिया है। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ डॉ. शिवम शर्मा ने बताया कि गाड़ी संख्या 03381 पटना–पुणे 26 नवंबर को और गाड़ी संख्या 03382 पुणे–पटना का संचालन रविवार 28 नवंबर को पुणे से भी होगा।

दरकती मर्यादाओं का दौर, सदन के अंदर चले थे लात–घूंसे : रात के अंधेरे में चली गई कल्याण की कुर्सी

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के राजनीतिक चरित्र, चिंतन और चाल में 1989 से शुरू हुए बदलाव ने 1996 के चुनाव के साथ राजनीति और राजनेताओं के कई रंग दिखाए। यह वो दौर था जब राज्यपाल रोमेश भंडारी सियासी अखाड़े में सांविधानिक मर्यादाओं को भूल भाजपा से कुश्ती लड़ते नजर आए। राजनेताओं की अखाड़ेबाजी से लोकतांत्रिक परंपराओं को बचाने के लिए न्यायालय को कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा। कल्याण सिंह की उसी भाजपा से आर–पार की लड़ाई छिड़ गई, जिसकी जड़ें मजबूत करने वाले अहम किरदारों में वे थे। कुर्सी के खेल में टकराव ने भाजपा की सत्ता से वनवास की पटकथा लिख दी। 1996 में चुनी गई विधानसभा चली तो पांच की जगह लगभग छह साल, मायावती दूसरी बार मुख्यमंत्री बन गईं, भाजपा के तीन नेता मुख्यमंत्री बने, केंद्र में भी भाजपा की सरकार बन गई, बावजूद इसके यह कालखंड अच्छी कम, बुरी यादें ज्यादा दे गया। एक तरह से 1996 से 2002 तक का यह कालखंड उत्तर प्रदेश के संसदीय इतिहास का 'युद्धकाल' माना जा सकता है। 1995 में स्टेट गेस्ट हाउस कांड के चलते मुलायम सिंह–कांशीराम की दोस्ती टूट चुकी थी। भाजपा ने बसपा को समर्थन देकर सरकार बनवाई। यह फैसला संघ परिवार की समग्र हिंदुत्व के समीकरणों से सियासत को साधने का प्रयोग था। मायावती ने 3 जून 1995 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पर, यह प्रयोग छह महीने भी नहीं चला। मायावती के एजेंडे को लेकर वैचारिक विरोध में 18 अक्तूबर 1995 को भाजपा ने समर्थन वापस ले लिया। प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लग गया। रोमेश भंडारी ने नहीं बनने दी सरकार। 1996 में राष्ट्रपति शासन के दौरान ही विधानसभा के चुनाव हुए थे। विधानसभा की उस समय 425 सीटें थीं। बहुमत के लिए 213 सीटें जरूरी थीं। भाजपा 174 सीटें जीतकर 1993 की तरह ही सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। 110 सीटों के साथ सपा दूसरे नंबर पर थी। बसपा 1993 की ही तरह 67 सीटें ही जीत सकी तो कांग्रेस को 33 सीटें मिली थीं। स्टेट गेस्ट हाउस कांड की तल्खी से सपा और बसपा एक नहीं हो सकती थीं। राज्यपाल रोमेश भंडारी ने सबसे बड़ा दल होने के बावजूद भाजपा को सरकार बनाने का न्योता नहीं दिया। भाजपा ने दावा किया तो भी उन्होंने इनकार कर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने की सिफारिश कर दी। न्यायालय के सहारे लोकतंत्र। प्रदेश में राष्ट्रपति शासन एक साल पहले से ही लगा हुआ था, फिर से इसकी सिफारिश ने विवाद खड़ा कर दिया। उच्च न्यायालय ने राज्यपाल की सिफारिश पर सवाल उठा दिया। मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्णय पर रोक लगाते हुए राष्ट्रपति शासन छह महीने बढ़ाने के फैसले को सही ठहरा सांविधानिक और लोकतांत्रिक संकट टाला। विधानसभा निलंबित हो गई। राष्ट्रपति शासन जारी रहा। यह ऐसा कालखंड रहा, जिसमें व्यवस्थापिका की परंपराओं व मर्यादाओं को बचाने के लिए न्यायालय को सबसे ज्यादा बार हस्तक्षेप करना पड़ा। छह–छह महीने के मुख्यमंत्री। विधानसभा तो निलंबित हो गई, लेकिन परदे के पीछे सरकार बनाने की कवायदें जारी रहीं। सरकार बनाने के सबसे नजदीक थी भाजपा, बशर्ते उसे बसपा का साथ मिल जाता। दिल्ली में अटल बिहारी वाजपेयी और कांशीराम के बीच बातचीत शुरू हुई। बसपा मायावती को मुख्यमंत्री बनाने पर अड़ गई। कोई और रास्ता न देख भाजपा ने हामी भर दी, लेकिन कुछ शर्तों के साथ। छह–छह महीने के मुख्यमंत्री का नायाब फॉर्मूला निकाला गया। बसपा फिर अड़ गई कि पहले छह महीने के लिए मायावती को ही मुख्यमंत्री बनाया जाए। भाजपा राजी तो हो गई लेकिन इस शर्त के साथ कि विधानसभा अध्यक्ष उसका होगा। दोनों में गठबंधन हुआ और 21 मार्च 1997 को पहले छह महीने के लिए मायावती मुख्यमंत्री बन गईं। पहले चार महीने तो ठीक–ठाक बीते, लेकिन उसके बाद मायावती के कई फैसलों ने भाजपा व बसपा के बीच कड़वाहट बढ़ाना शुरू कर दिया। मायावती ने पलटी मारी। मायावती ने समझौते के अनुसार 21 सितंबर 1997 को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ दी। कल्याण सिंह ने मुख्यमंत्री पद संभाला। दोनों पार्टियों में तल्खी और तकरार लगातार तेज हो रही थी। कल्याण एक के बाद एक, मायावती के

फैसले पलटने लगे। तिलमिलाई बसपा ने 19 अक्तूबर को समर्थन वापस ले लिया। राज्यपाल रोमेश भंडारी ने कल्याण को दो दिन के भीतर सदन में बहुमत साबित करने का निर्देश दे दिया। सदन में चले लात–घूंसे। बसपा, कांग्रेस और जनता दल (यू) के विधायक टूटने लगे। 21 अक्तूबर 1997 को बहुमत परीक्षण के दौरान विधायकों ने सदन की मर्यादा ताक पर रखते हुए एक–दूसरे पर माइक व जूते–चप्पल फेंके। लात–घूंसे चले। कल्याण को 222 विधायकों का समर्थन मिला। राष्ट्रपति ने नहीं मानी भंडारी की सिफारिश। विधानसभा में हुई हिंसा के बाद राज्यपाल भंडारी ने 22 अक्तूबर 1997 को राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश कर दी। पर, राष्ट्रपति केआर नारायणन ने इसे मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने दोबारा विचार के लिए उसे केंद्र सरकार के पास भेजा। आखिरकार केंद्र सरकार ने भी सिफारिश को दोबारा राष्ट्रपति के पास नहीं भेजने का फैसला किया और इस तरह कल्याण सिंह सरकार चलती रही। जंबो मंत्रिमंडल का भी रिकॉर्ड। कल्याण सिंह को दूसरे दलों से आए ज्यादातर विधायकों को मंत्री बनाना पड़ा। उन्होंने मंत्रिमंडल में 93 लोगों को शामिल किया। इतना बड़ा मंत्रिमंडल प्रदेश में पहले कभी नहीं बना था। इसके बाद देश में मंत्रियों की संख्या को लेकर बहस छिड़ी और नियम बना कि दोनों सदनों की संख्या का अधिकतम 15 प्रतिशत ही मंत्रिमंडल का आकार होगा। आपराधिक छवि वाले दोस्त बने। कल्याण ने सरकार तो बचा ली लेकिन उन्हें बहुत कुछ गंवाना पड़ा। राजा भैया के खिलाफ 'कुंडा को गुंडा विहीन करूं, प्रण करत ध्वज उठाय दोउ हाथ' का शंखनाद करने वाले कल्याण को राजा भैया को अपने मंत्रिमंडल में जगह देनी पड़ी, क्योंकि मायावती के समर्थन वापस लेने के बाद उन्होंने ही उनकी मदद की थी। रात के अंधेरे में खींच ली गई कल्याण की कुर्सी। कल्याण सिंह की सरकार बचाने आए जगदंबिका पाल का मन भी कुछ दिनों में मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए मचलने लगा। राज्यपाल रोमेश भंडारी भी कल्याण सरकार को नहीं देखना चाहते थे। बसपा विधायकों को तोड़ने से मायावती तो पहले से ही नाराज चल रही थीं। पाल ने मायावती से बातचीत की और कथानक तैयार हो गया। 21 फरवरी, 1998 को भंडारी ने कल्याण सिंह सरकार को बर्खास्त कर जगदंबिका पाल को रात 10.30 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी। वरिष्ठ पत्रकार योगेश श्रीवास्तव बताते हैं कि पाला बदल के खेल में माहिर नरेश अग्रवाल भी पाल के साथ थे। वह उप मुख्यमंत्री बन गए। अटल बिहारी वाजपेयी को राज्यपाल के फैसले के खिलाफ धरना और आमरण अनशन पर बैठना पड़ा। जब सचिवालय में दो मुख्यमंत्री बैठे थे। कल्याण सरकार की बर्खास्तगी पर भाजपा नेताओं ने रात में ही उच्च न्यायालय की शरण ली। न्यायालय ने राज्यपाल के फैसले पर रोक लगा दी और कल्याण सरकार को बहाल कर दिया। उस दिन सचिवालय में अजीब नजारा देखने को मिला। वहां दो मुख्यमंत्री बैठे थे। जगदंबिका पाल सुबह–सुबह ही सचिवालय पहुंच कर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज हो गए तो कल्याण सिंह बगल वाले कमरे में बैठकर कुर्सी खाली होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। अधिकारियों ने जब उच्च न्यायालय का आदेश दिखाते हुए कड़े तेवर दिखाए तो पाल भारी मन से कुर्सी छोड़कर चले गए। विवाद बढ़ने पर सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर 26 फरवरी को फिर बहुमत का परीक्षण हुआ, जिसमें कल्याण सिंह जीते। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर पाल की मुख्यमंत्री की शपथ और कार्यकाल को शून्य माना गया। मुख्यमंत्रियों की सूची से पाल का नाम भी हटा दिया गया। राज्यपाल की विधानसभा अध्यक्ष से भी ठनी। पाल को मुख्यमंत्री की शपथ दिलाने को लेकर राज्यपाल भंडारी की भी खूब किरकिरी हुई। बहुमत साबित करने के दौरान राज्यपाल भंडारी और विधानसभा के तत्कालीन अध्यक्ष केशरीनाथ त्रिपाठी के बीच खूब तल्खी हुई। राज्यपाल पर्यवेक्षकों की देखरेख में बहुमत परीक्षण चाहते थे, लेकिन तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष त्रिपाठी ने अपने अधिकारों का हवाला देते हुए उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। सत्ता बदली, पर सांसत खत्म नहीं हुई। कल्याण को हटाने और रामप्रकाश गुप्त को मुख्यमंत्री बनाने के बावजूद भाजपा की अंदरूनी खींचतान खत्म नहीं हुई। कुछ दिन की शांति के बाद रामप्रकाश गुप्त को लेकर तरह–तरह की खबरें आने लगीं। खासतौर से उनके भुलक्कड़ होने की बात काफी तेजी से फैली। इस सबके बीच वर्ष 2000 की दिवाली भी प्रदेश में सत्ता बदल का संदेश लेकर आई। गुप्त की जगह राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री पद संभाला।

उत्तरायणी जनकल्याण समिति की रार से मेले के आयोजन पर संकट

बरेली ब्यूरो : उत्तरायणी जनकल्याण समिति के आपसी विवाद के चलते इस बार उत्तरायणी मेले का आयोजन न हो पाने की आशंका है। वर्तमान प्रबंध कार्यकारिणी के संचालन पर सवालिया निशान लगाते हुए पूर्व अध्यक्ष ने बैंक और रजिस्ट्रार को पत्र भेजा था। इस पर बैंक ने समिति के दोनों खातों में जमा 64 लाख की रकम की निकासी पर रोक लगा दी है। उधर, संगठन मंत्री ने भी पूर्व पदाधिकारियों पर तमाम गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के मुताबिक करीब 28 साल बाद उत्तरायणी जनकल्याण समिति का मतदान से चुनाव हुआ है। चुनाव के समय से ही समिति पदाधिकारियों में तकरार चल रही है, जो निर्वाचन संपन्न होने के बाद भी नहीं थमी है। नई कार्यकारिणी घोषित होने के बाद प्रमोद बिष्ट को अध्यक्ष बनाया गया है। अब जब उत्तरायणी मेले के आयोजन की तैयारियां शुरू हुईं तो पूर्व अध्यक्ष पीसी पाठक ने नई कार्यकारिणी के गठन को अवैध बताते हुए प्रकरण की जांच कराने की मांग रजिस्ट्रार से की है। साथ ही, समिति के खाते से कार्यकारिणी की वैधता पर निर्णय आने तक रकम की निकासी पर रोक लगाने के लिए बैंकों को पत्र लिखा था। प्रकरण में बैंकों की ओर से निर्वाचित पदाधिकारियों को नोटिस जारी कर रकम निकासी पर रोक लगा दी है। इनमें से एक बैंक खाते में 20 लाख और दूसरे में 44 लाख रुपये जमा थे। यह रकम बैंक खातों में फ्रीज होने के चलते कहा जा रहा है कि इससे उत्तरायणी मेला के आयोजन में मुश्किलें आ सकती हैं। वहीं, यह भी कहा जा रहा है कि जनवरी में होने वाले मेले की तैयारियां करने के बजाय नई और पुरानी कार्यकारिणी आपसी विवाद में उलझी है। इस वजह से भी मेला होना मुश्किल है। समिति के भवन को लेकर भी है विवाद। बताया जाता है कि उत्तरायणी समिति का भवन एक पूर्व पदाधिकारी के नाम से खरीदा गया है। इसको लेकर भी मौजूदा

और पूर्व कार्यकारिणी में विवाद चल रहा है। कुछ लोग इस भवन को बेचने की बात कह रहे हैं तो कुछ इसके दस्तावेजों में नाम परिवर्तन कराने को कह रहे हैं। पूर्व कमेटी की भी हो रही जांच। मौजूदा समिति के एक पदाधिकारी ने बताया कि पूर्व में कार्यभार संभाल रही समिति के पदाधिकारियों ने मेले में स्टॉल आवंटन आदि से होने वाली आय की राशि का जमकर दुरुपयोग किया है। नियम विरुद्ध तरीके से फ्लैक्स, होर्डिंग का ठेका किया था। इन मामलों में पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ आंतरिक जांच हो रही है। समाज एकजुट होकर मेला लगाएगा। जिन पर वित्तीय अनियमितता का आरोप है, उन लोगों ने लाभ के पद पर रहते हुए अपनी फर्मों को काम दिया। उनकी आंतरिक जांच कराकर मुकदमा दर्ज कराएंगे। – विनोद जोशी, संगठन मंत्री

मेला बरेली की शान है। इसके आयोजन की तैयारियां की जा सकें, इसके लिए रजिस्ट्रार को दिए गए पत्र का जल्द निस्तारण कराने का आग्रह किया है। वैधानिक कार्यकारिणी नहीं चुनी गई है। – पीसी पाठक, पूर्व अध्यक्ष

जिला कारागार, जौनपुर का वर्चुअल निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन संपन्न

जौनपुर सू.वि. : उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एम0 पी0 सिंह के संरक्षण एवं अनुमति से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्ववाधान में बन्दियों को विधिक जानकारी प्रदान कराने हेतु सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती शिवानी रावत, की अध्यक्षता में 25 नवम्बर 2021 को समय अपराह्न 1:00 बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला कारागार, जौनपुर का वर्चुअल निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। डिप्टी जेलर द्वारा

बताया गया कि जिला कारागार में कुल 1223 बन्दी है जिसमे 1116 पुरूष तथा 57 महिला तथा 50 किशोर बन्दी हैं। 03 सिद्धदोष एवं 54 विचाराधीन महिला बन्दी हैं जिसमें से महिला बन्दियों के साथ 15 बच्चे हैं। जेल अस्पताल में 26 बन्दियों का इलाज चल रहा हैं, कोई भी बन्दी गम्भीर रूप से बीमार नहीं है। साफ–सफाई के सम्बन्ध में पूँछताछ करने पर बताया गया कि 23 नवम्बर 2021 को जेल परिसर एवं बैरकों में फागिंग करायी गयी है। जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि संक्रामक रोगों से बचाव हेतु नियमित अन्तराल पर परिसर एवं बैरकों की साफ–सफाई कराते रहें। महिला एवं पुरूष बन्दियों से वार्तालाप में बन्दी सिन्टू शर्मा द्वारा निःशुल्क अधिवक्ता प्रदान कराये जाने की याचना किये जाने पर जेल अधीक्षक को उक्त बन्दी का प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रेषित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। सिद्धदोष बन्दियों की अपील के सम्बन्ध में पूँछे जाने पर बताया गया कि सभी बन्दियों की अपील व्यक्तिगत रूप से की जा चुकी है। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती शिवानी रावत द्वारा नालसा की योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान कराते हुए बताया गया कि ऐसे गरीब, असहाय वर्ग के बन्दी जो धन के अभाव में अपने वादों की पैरवी हेतु वकील कर पाने में असमर्थ हो वह जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक अथवा कारागार अधीक्षक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकते हैं। जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि ऐसे बन्दियों को चिन्हित कर उनके प्रार्थना पत्र प्रेषित कराना सुनिश्चित करें। सचिव द्वारा गिरफ्तार व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में बताया गया कि पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने की स्थिति में गिरफ्तारी के कारण की सूचना देना तथा जमानतीय प्रकृति के आरोप में पुलिस द्वारा तत्काल जामानत का प्रावधान व गैर–जमानतीय प्रकृति के आरोप में 24 घण्टे के भीतर मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है तथा गिरफ्तारी या निरूद्ध करने की सूचना आपके परिवारजन या निकटतम मित्र को लिखित में देना आवश्यक है। हिरासत के दौरान आपकी पसन्द के अधिवक्ता से विधिक राय हेतु मिलने या सलाह का अधिकार व गिरफ्तारी के पश्चात चिकित्सीय परीक्षण करवाने का अधिकार प्राप्त है। सचिव द्वारा यह भी बताया गया कि जेल में निरूद्ध बन्दियों के परिजन जेल प्रशासन को 72 घण्टे के अंदर आरटीपीसी आर जॉच रिपोर्ट दिखाकर जेल में निरूद्ध अपने परिजन बन्दी से मुलाकात कर सकेगे।

वोट के प्रति जागरूकता का लाभ अगली पीढ़ी को मिलेगा: डॉ अंकिता राज

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में गुरुवार को महिला मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग की ओर से किया गया। इसके प्रायोजक गौतम ग्रुप/साड़ी सम्राट लोकप्रिया परिचय एंड एजेंसी हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि शास्त्रों में नारियां पूज्यनीय मानी जाती है। महिला मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महिलाएं कहीं कमजोर नहीं है वह वह सब कुछ कर सकते हैं जो पुरुष करते हैं। आज महिलाओं को सकारात्मक सोच रखने और अपनी ताकत को पहचानने की जरूरत है तभी वह समाज में आगे जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिला मतदाता जागरूकता अभियान में जो विचारों का संप्रेषण हुआ है वह बहुत ही आसानी से लोगों तक संप्रेषित हुआ है। इसके लिए कार्यक्रम के आयोजक और प्रायोजक दोनों का सहयोग सराहनीय है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वह अपने बच्चों को सोचने समझने का मौका दें उन्हें विचारों की आजादी दें तभी वह समाज के लिए कुछ अच्छा कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि आकांक्षा समिति की अध्यक्ष डॉ. अंकिता राज ने कहा कि महिलाओं को अपनी सोच और समझ के साथ मतदान में हिस्सा लेना चाहिए क्योंकि यह निर्णय एक दिन का नहीं पूरे पांच साल का होता है। उन्होंने कहा कि मतदान के लिए महिलाओं का आज का संघर्ष उनकी आने वाली पीढ़ियों को देखने को

मिलेगा। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वह अपनी अलग पहचान बनाए। इस अवसर शिवम् सिंह कार्तिक सेठी और करने सिंह समेत कई विद्यार्थियों ने विचार व्यक्त किए। इसके बाद मतदाता जागरूकता के संदर्भ में नाटक का मंचन किया गया और सभी मतदाताओं को कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने शपथ दिलाई। नाटक में महवीन, जिया, वैष्णवी सोनी, आदित्य मोदनवाल रिया हर्षिता सौम्या समेत दर्जनों छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रधान अध्ययन संकाय के पूर्व डीन प्रो.मानस पांडेय ने महिला मतदाता जागरूकता अभियान को सफल बनाने में दिए गए सहयोग के प्रति आयोजक और प्रायोजक के प्रति आभार जताया।

अतिथियों का स्वागत फिरदौस फातिमा, संचालन शिफा अरसद, रीतिका और धन्यवाद ज्ञापन आस्था पांडेय ने किया। इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वंदना राय, प्रो.देवराज सिंह, डा . नुपुर गोयल, डॉ आशुतोष सिंह, डॉ. मुराद अली, डॉ. गिरधर मिश्र, अनु त्यागी, डॉ सुनील कुमार, डॉ पुनीत धवन, इंद्रेश गंगवार आदि उपस्थित थे।

दाम्पत्य विवादों को मुकदमा पूर्व निपटाये जाने की तैयारी

जौनपुर सू.वि. : उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 22 जनवरी 2022 को दीवानी न्यायालय परिसर, जौनपुर में वैवाहिक विवादों को मुकदमा पूर्व निस्तारण हेतु ''प्री–लिटिगेशन विशेष लोक अदालत'' का आयोजन किया जा रहा है। इस लोक अदालत में ऐसे पति–पत्नी जिनके मध्य किन्हीं भी कारणों से मनभेद या मतभेद हो गया हो, वह न्यायालय परिसर में संचालित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में मात्र एक प्रार्थना पत्र देकर अपने दाम्पत्य विवाद को न्यायालय द्वारा विधिसंगत तरीके से निस्तारित करा सकते हैं। वैवाहिक दाम्पत्य विवादों को प्रारम्भिक स्तर पर ही निपटाने के लिये राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त दिशा–निर्देशों के अनुक्रम में पति–पत्नी में से कोई अथवा उनके नजदीकी रिश्तेदार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रार्थना पत्र दे सकता है। प्रार्थना पत्र में दोनों पक्षों का नाम, पता व फोन नम्बर, विवाद का संक्षिप्त विवरण, फोटोग्राफ व पहचान पत्र देना होगा। जिसके समाधान के लिये प्रार्थना पत्र अग्रिम कार्यवाही हेतु सम्बन्धित न्यायिक पीठ को भेज दिया जायेगा। पीड़ित वादकारी (पति–पत्नी) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में स्थापित हेल्प डेस्क पर सम्पर्क करके निःशुल्क सहायता ले सकते हैं।

थाना लाइन बाजार पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट में वांछित 01 अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : श्रीमान पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी नियंत्रण एवं कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत व श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नगर,श्री जितेन्द्र कुमार दूबे क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के सकुशल निर्देशन में मै प्रभारी निरीक्षक लाइन बाजार मय हमराह का0 विनोद सिंह , का0 अनन्त सिंह के देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ती/ वाहन मे मामूर था कि जरिये जरिये मुखबीर खास सूचना मिली कि मु0अ0सं0 116/21 धारा 3(1) यूपी गैंगेस्टर एक्ट थाना कोतवाली जौनपुर से सम्बन्धित अभियुक्त मातापुर क्रासिंग पर खड़ा है जो कही जाने के फिराक में साधन का इन्तजार कर रहा है अगर जल्दी किया जाय तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर विश्वास कर मै प्रभारी निरीक्षक मय हमराहियान को अवगत कराते हुए मुखबीर को साथ लेकर मातापुर क्रासिंग से कुछ दुर पहले पहुचा तो मुखबीर खास ने दूर से ही इशारा कर हट बढ गया। हम पुलिस वाले मुखबीर द्वारा बताये गये व्यक्ति के पास पहुच कर एकबारगी दबिश देकर बिना भागने का मौका दिये ही पकड़ लिये । पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम यश प्रताप सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह नि0ग्राम शेखवाडा थाना जफराबाद जौनपुर उम्र 30 वर्ष बताया, अभियुक्त का नाम पता मुकदमे से तस्दीक होने पर पूर्ण विश्वास हो जाने पर कारण

गिरफ्तारी बताकर हिरासत पुलिस में लिया गया । अभियुक्त यश प्रताप सिंह उपरोक्त को आवश्यक कार्यवाही हेतु मा0न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता– 1– यश प्रताप सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह थाना जफराबाद जनपद जौनपुर उम्र 30 वर्ष। आपराधिक इतिहास– 1.मु0अ0सं0 116/21 धारा 3(1) यूपी गैंगेस्टर थाना कोतवाली जनपद जौनपुर । 2.मु0अ0सं0 19/21 धारा 399/402 आईपीसी थाना कोतवाली जौनपुर। 3.मु0अ0सं0 22/21 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना कोतवाली जौनपुर। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम– 1– प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा ,थाना– लाइनबाजार, जौनपुर। 2– का0 विनोद सिंह , थाना– लाइनबाजार, जौनपुर । 3– का0 अनन्त सिंह, थाना– लाइनबाजार, जौनपुर।

लम्भुआ पूर्व विधायक संतोष पाडेय का जन्मदिन समारोह जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के नाथूपुर बाजार मे किया गया आयोजित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : लम्भुआ के पूर्व विधायक संतोष पाडेय का जन्मदिन समारोह जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के नाथूपुर बजार मे अमित पाडेय द्वारा आयोजित किया गया मुख्य अतिथि के रूप में सपा प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी रहे वहीं राहुल त्रिपाठी ने कहा संतोष पाडेय का जन्मदिन इसलिए धूमधाम से मनाया जा रहा है वे ऐसे नेता है जिन्होंने सदा कमजोर व्यक्ति की मदद करने के लिए आगे आते हैं वे प्रदेश मे चाहे देश मे अगर उनकों जानकारी हो गयीं की यहां कमजोर को दबाया जा रहा है तो सबसे पहले उसकी मदद करने के लिए आगे आते है आज पूरे प्रदेश मे ऐसे जनप्रिय नेता का जन्मदिन मनाया जा रहा है उनके जन्मदिन पर संकल्प ले कि हमलोग हमेशा कमजोर गरीब की मदद करेंगे जन्मदिन के अवसर पर

मुख्य रूप से आलोक उपाध्याय, गोलू चौबे, अनुज शुक्ला, अंकित शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, आदित्य पाण्डेय, नीरज यादव, लकी यादव, पंकज शुक्ला, प्रिंस यादव, रोहित यादव, मोनू शुक्ला, रोहित शुक्ला छोटू शुक्ला, आदि लोग उपस्थित रहे।

सम्पादक मंडल

पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी

प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"

पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0

लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से मैं0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक

श्रीमती हेमा त्रिपाठी

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**

deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।